जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 24 प्रभात कोटा, गुरुवार 7 नवम्बर, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'बुद्धिजीवियों का राजनीतिक सोच व आकलन जनता के आकलन से मेल नहीं खाता'

अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव के नतीजों ने बेमेल राजनीति की विडम्बना को उजागर किया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों में डॉनल्ड ट्रम्प की स्पष्ट जीत, अमेरिका की राजनीति में, चरम दक्षिणपंथी नीतियों तथा रूढ़िवाद की पुनरावृत्ति है। उदारवादी मूल्य, कट्टर दक्षिणपंथियों के स्पष्ट झूठों से भी हार गए।

डॉनल्ड ट्रम्प ने, बढ़ते इमिग्रेशन को लेकर औसत अमेरिकी नागरिक के भय का लाभ उठाया। जिसके कारण लोगों में आर्थिक असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है, चाहे वो कितनी भी गलत क्यों न हो।

- अमेरिका के मीडिया ने ही नहीं, पाश्चात्य देशों के मीडिया ने जमकर, बिना हिचक ट्रम्प का विरोध किया था, और कमला हैरिस का समर्थन, पर जनता की भावना इससे अलग थी।
- ट्रम्प ने एक साधारण श्वेत अमेरिकी के मन में विदेशियों के भारी आगमन से जनित भय व असुरक्षा की भावना को खूब भड़काया और अन्त में भारी राजनीतिक लाभ उठाया।
- इसी प्रकार, ट्रम्प ने आम मतदाता के मन में यह भर दिया कि, अमेरिकी इकॉनमी की हालत खस्ता है। यह सच नहीं है, अमरीकी इकॉनमी 3 प्रतिशत रेट से बढ़ रही है, जो बहुप्रतिष्ठित मैगज़ीन द इकॉनमिस्ट के अनुसार ऐतिहासिक उपलब्धी है। खस्ता इकॉनमी की 'खबर' ने भी आम मध्यम वर्ग अमेरिकी के मन में बेचैनी पैदा की, जिसे भी ट्रम्प ने बखूबी, होशियारी से राजनीतिक लाभ उठाने के लिए काम में लिया। आम श्वेत अमेरिकी नागरिकों में व्याप्त निराशा की भावना भी ट्रम्प के लिए मददगार साबित हुई।

डॉनल्ड ट्रम्प की जीत ने अमेरिका के बुद्धिजीवियों व पत्रकारों को निरुत्तर कर दिया।

विकसित देशों में अमेरिका की अर्थव्यवस्था सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रही थी तथा ऊंची ब्याज दरों के बावजूद, जानी-मानी पत्रिका "द इकॉनमिस्ट" ने उसकी ग्रोथ को "ग्रैविटी डिफाइंग एक्सपीरिएंस" कहा था। एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में वर्षों तक अमेरिका की 3 प्रतिशत ग्रोथ रही है, जो कि अभूतपूर्व है।

तथापि, देश के आर्थिक दु:खों को दोहराने, तेल तथा कुछ खाद्य पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि जैसी कमियों को बार-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बिना पूर्व सूचना घर नहीं तोड़ सकती सरकार'

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने, योगी सरकार द्वारा उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना घरों को तोड़ने के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश को आज आड़े हाथों लिया और कहा कि रातोरात घरों को धराशायी नहीं किया जा सकता। परिवारों को घर खाली करने के लिए समय दिया जाना चाहिए।

भारत के मुख्य न्यायाधीश, डी.वाय. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच, सन् 2020 के स्वत: पंज्ञान के एक केस में सुनवाई कर रही थी। इस केस का आधार मनोज टिबरेवाल आकाश नामक एक व्यक्ति का एक पत्र था। इस व्यक्ति का मकान 2019 में ध्वस्त कर दिया गया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि उनका मकान, एक राजमार्ग पर कथित अतिक्रमण को लेकर, बिना कोई पूर्व सूचना दिये, ढ़हा दिया गया था।

- सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2020 के एक मामले में यू.पी. सरकार को फटकारा और कहा कि ऐसा करना गैर कानूनी है।

इस केस की सुनवाई का नम्बर, संयोगवश, ऐसे समय पर आया, जब सर्वोच्च न्यायालय की एक अन्य बैंच "बुलडोज़र जस्टिस" को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रही है। ज्ञातव्य है कि "बुलडोज़र जस्टिस" शब्दावली का प्रयोग उन सम्पत्तियों को ध्वस्त कर देने के लिये किया जा रहा है, जो क्रिमिनल केसों के आरोपियों की हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल के "अतिवाद" से चिंतित, कांग्रेस का एक वरिष्ठ नेताओं का खेमा

यह नेता गण मानते हैं, कि बार-बार अडानी के खिलाफ हर मंच से बोलने से यह छवि बन रही है कि राहुल "कॉरपोरेट जगत" व बिज़नेस के खिलाफ हैं

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। राहुल गांधी किन्हीं भी मानकों के हिसाब से एक अतिवादी व्यक्ति हैं। उनके कुछ प्रिय एवं पसंदीदा विषय है, जो काफी अच्छे है, पर इसके बावजूद, इन विषयों ने कांग्रेस पार्टी को नुकसान पहुँचाया है।

राहुल को जब-जब मौका मिलता है, वे बड़े व्यवसाय और कॉर्पोरेट भारत पर अडाणी के नियंत्रण तथा नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी नजदीकी के खिलाफ बोलते रहे हैं।

वे इन तीनों ही बिन्दुओं के इस हद तक आलोचक हैं कि उनकी छवि व्यवसाय-विरोधी तथा कॉर्पोरेट-विरोधी राजनेता की बन गई है और इससे पार्टी को भारी नुकसान हो रहा है।

अपनी इस छवि को सुधारने के उद्देश्य से, राहुल ने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दैनिकों में एक लेख लिखा है, जिसमें उन्होंने इस आम धारणा को ठीक करने की कोशिश की है कि वे कॉर्पोरेट या बड़े व्यवसाय के विरोधी हैं।

लेकिन फिर भी उन्होंने अपने प्रिय विषय पर जोर देते हुये, लेख में यह तो कह ही दिया है कि किसी एक व्यक्ति (जिसे गौतम अडाणी माना जाये) को संरक्षण प्रदान करना सरकार का काम नहीं हैं।

- राहुल ने भी यह छवि सुधारने के लिए हाल ही में कुछ राष्ट्रीय व प्रादेशिक अखबारों में इंटरव्यू दिये हैं व खुद के लिखे हुए लेख छपवाये हैं, जिनमें उन्होंने कहा वे "कॉरपोरेट जगत" के खिलाफ नहीं हैं। वे केवल इस बात का विरोध कर रहे हैं, जिसके अन्तर्गत मोदी सरकार का ध्येय केवल एक ही औद्योगिक घराने, अडानी ग्रुप, को ही हर कीमत पर पनपाना है।
- इसी प्रकार, यह भी महसूस किया जा रहा है कि, ओ.बी.सी. जाति/जनजाति की ही बात करने से अन्य मध्य वर्ग, कांग्रेस के खिलाफ होता जा रहा है। और जैसा हरियाणा में हुआ, एस.सी. वर्ग भी कांग्रेस के विमुख हो गया। हालांकि राहुल गांधी सदा "कास्ट सैंसस" का नाम लेकर, एस.सी. वर्ग के हिमायती के रुप में उभरे हैं।

दूसरा मुद्दा, जो ऊँची जातियों के अनेकानेक कांग्रेसजनों तथा पार्टी से बाहर के लोगों को परेशान कर रहा है, यह है कि राहुल गांधी के बयान केवल ओ.बी.सी., दलितों, महिलाओं, आदिवासियों तथा ऐसे ही अन्य तबकों के बारे में आते हैं। उन्होंने जातिगत जनगणना की माँग की है तथा वे राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना चाहते हैं।

भाजपा सरकार इससे सहमत नहीं है लेकिन तेलंगाना की कांग्रेस सरकार तथा मुख्यमंत्री रेवन्त रेड्डी राज्य में जातिगत जनगणना करायेंगे। राहुल तेलंगाना के कांग्रेस नेताओं के साथ मीटिंग करने तथा इस बिन्दु पर चर्चा करने के लिये हैदराबाद गये थे कि राज्य में जातिगत जनगणना किस तरह के कराई जायेगी।

कुछ वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने निजी रूप से इस बात पर गहरी चिन्ता जताई है कि राहुल की यह सोच और तौर-तरीका किस तरह से ऊँची जातियों तथा मध्यम वर्ग के कांग्रेसजनों को नाराज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

घड़ी चुनाव चिन्ह पर अजीत पवार को सुप्रीम कोर्ट ने सख्त निर्देश दिया

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अजीत पवार के नेतृत्व वाली एन. सी. पी. (नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी) को आदेश दिया कि 36 घंटे के अंदर अखबारों, जिनमें मराठी दैनिक भी शामिल हैं, में डिस्क्लेमर छपवाएं और कहे कि "घड़ी" चुनाव चिन्ह न्यायालय के विचाराधीन है।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस उज्जल भूयन की बैंच ने यह निर्देश दिया। अजित पवार गुट के वकील बलबीर सिंह ने कोर्ट को 36 घंटे में डिस्क्लेमर प्रकाशित होने का आश्वासन दिया।

बैंच ने पूछा था कि अखबारों में डिस्क्लेमर छपवाने के लिए आपको कितना समय चाहिए। हम आपको दिन नहीं दे रहे हैं, हम पूछ रहे हैं कि आप कितने घंटों में यह कर सकते हैं।

शुरुआत में वरिष्ठ वकील बलबीर सिंह ने कहा था कि एन. सी. पी. सुप्रीम कोर्ट द्वारा घड़ी चुनाव चिन्ह इस्तेमाल पर लगाई गई सभी शर्तों का पालन कर रही है। और पार्टी ने अखबारों से सम्पर्क किया है तथा दो-तीन दिन में डिस्क्लेमर छापने के लिए कहा है।

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 36 घंटे के अंदर मराठी अखबारों सहित सभी प्रमुख अखबारों में डिस्कलेमर छापें कि घड़ी सिम्बल का इस्तेमाल अदालत में विचाराधीन है।
- सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से शरद पवार गुट को भारी राहत मिली है।
- पता चला है कि अजीत गुट अपने पोस्टर्स व प्रचार वीडियो में घड़ी सिम्बल और शरद पवार के चित्रों का उपयोग कर रहा है, इस पर शरद पवार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज की थी।

बैंच ने कहा कि, "24 घंटे में, या ज्यादा से ज्यादा 36 घंटे में डिस्क्लेमर छपवाए।"

शरद पवार गुट का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने कहा कि अजीत पवार गुट डिस्क्लेमर के बिना सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए वीडियो डिलीट कर सबूत नष्ट कर रहा है।

एक नवम्बर को बारामती से लिए गए फोटोग्राफ से स्पष्ट है कि अजीत पवार के पोस्टर्स में कोई डिस्क्लेमर नहीं था। अजीत पवार गुट ने हमें कोर्ट में आने को मजबूर किया है। अजीत पवार गुट द्वारा शर्तों के उल्लंघन पर शरद पवार गुट ने कोर्ट में याचिका लगाई।

19 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने अजीत पवार गुट को कुछ शर्तों के साथ घड़ी का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल ने ट्रम्प को बधाई दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। "एक्स" पर पोस्ट किये गये एक मैसेज में, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिकन राष्ट्रपति के चुनाव में डॉनल्ड ट्रम्प की जीत के लिये उनको बधाई दी है।

मैसेज में लिखा है "डॉनल्ड ट्रम्प। आपकी जीत पर आपको बधाई। अमेरिकन राष्ट्रपति के रूप में आपके दूसरे कार्यकाल में आपकी सफलता के लिये शुभकामनाएं।"

- एक्स पर अपनी पोस्ट में राहुल गांधी ने कमला हैरिस को भी भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

"कमला हैरिस को, उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।"

'झारखंड में "शैडो एडवर्टाइज़िंग" राजनैतिक दलों के पेज से भी ज्यादा हानिकारक साबित हो रही है'

शैडो एडवर्टाइज़िंग राजनैतिक दलों से सम्बद्ध संस्थाएं कर रही हैं, जिन पर पाबंदियां लगाना मुश्किल है

- श्री नन्द झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। चुनावाधीन राज्य झारखंड में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों, जैसे इंस्टाग्राम और फेसबुक का उपयोग राजनैतिक उद्देश्यों के लिये किया जा रहा है। गुमनाम अकाउन्ट्स (शैडो अकान्ट्स) के माध्यम से किया जा रहा यह राजनैतिक खेल भाजपा द्वारा प्रेरित-प्रोत्साहित बताया जा रहा है। "टैक जस्टिस लॉ प्रोजेक्ट", इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल "इंडियन सिविल वॉच इन्टरनैशनल", "हिन्दूज़ फॉर ह्यूमन राइट्स" तथा "दलित सॉलिडरिटी फोरम" द्वारा तैयार की गई एक संयुक्त रिपोर्ट कहती है कि इंस्टाग्राम एवं फेसबुक के ये शैडो अकाउन्ट्स साम्प्रदायिक रूप से बाँटने वाले मैसेज प्रचारित-प्रसारित कर रहे हैं। "झारखंड शैडो पॉलिटिक्स" शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में चार मुख्य बातें चिन्हित की गई हैं, जिन्हें प्रचारित-प्रसारित करने की कोशिश ये शैडो अकाउन्ट्स कर रहे हैं। पहला बिन्दु मुस्लिम पुरूषों की नकारात्मक रूढ़िवादिता से सम्बन्धित है। इन अकाउन्ट्स की बहुत सारी पोस्ट झारखंड में यौन-हिंसा को रेखांकित कर रही हैं तथा इन सबका दोष मुस्लिम पुरूषों तथा हेमन्त सोरेन सरकार की निष्क्रियता पर मढ़ा जा रहा है। दूसरा बिन्दु "आदिवासी मुख्यमंत्री को अमानवीयकृत छवियों" से सम्बन्धित है। इन पोस्टों में सोरेन की तस्वीरो में उनके सींग दिखाये जा रहे हैं या उन्हें कीड़े-मकोड़े के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है तथा इन छवियों के साथ प्रस्तुत मुद्रित सामग्री में, उनके काम-काज तथा नीतियों की आलोचना की गई है। रिपोर्ट

- टैक जस्टिस लॉ प्रोजैक्ट, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउन्सिल, इंडियन सिविल वॉच इंटरनैशनल, हिदूज़ फॉर ह्यूमन राइट्स और दलित सॉलिडैरिटी फोरम ने संयुक्त रूप से तैयार अपनी रिपोर्ट "झारखंड शैडो पॉलिटिक्स" में यह बात कही है।
- रिपोर्ट के अनुसार शैडो एडवर्टाइज़िंग के जरिए यौन हिंसा के लिए मुसलमानों को "स्टीरियोटाइप" किया जा रहा है, राजनैतिक दल यह कहते तो गैर कानूनी हो जाता।
- शैडो एडवर्टाइज़िंग के जरिए साम्प्रदायिक वैमनस्य को बढ़ाया जा रहा है, ग्राफिक्स के जरिए "बंटेंगे तो कटेंगे" नारे का प्रचार किया जा रहा है।
- झारखंड में बाहर से आए घुसपैठियों को प्रदेश में असुरक्षा बढ़ाने का जिम्मेवार भी बताया जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने ट्रम्प को जीत की बधाई दी

नयी दिल्ली, 06 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज करने पर डॉनाल्ड ट्रंप को बधाई दी है और उनसे भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझीदारी को मज़बूत करके वैश्विक शांति के लिए काम करने की इच्छा व्यक्त की है।

मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, "मेरे मित्र डॉनाल्ड ट्रंप, आपकी ऐतिहासिक चुनाव जीत पर हार्दिक बधाई। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझीदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए उत्सुक हूं।"

- प्रधानमंत्री ने ट्रम्प से लोगों की भलाई, विश्व शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए काम करने का आव्हान किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प की वापसी भारतीय व्यापारियों के लिए खतरे की घण्टी है?

ट्रम्प के प्रशासन में भारत में निर्मित सामान, जैसे कार, टेक्सटाइल्स व फार्मास्युटिकल्स को अमेरिका द्वारा बढ़ाई गई कस्टम ड्यूटी आदि का सामना करना पड़ेगा

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। अमेरिका ने डॉनल्ड ट्रम्प को चुनकर पुन: वाइट हाउस भेजा है। वे अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होंगे।

ट्रम्प की जीत के भारत के लिए क्या मायने हैं। ट्रेड विशेषज्ञों एवं विश्लेषकों के अनुसार ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने से भारतीय निर्यातकों को अपने सामान जैसे ऑटोमोबाइल, टैक्सटाइल और दवाओं पर भारी टैक्स का सामना करना पड़ सकता है, अगर नए प्रशासन ने "अमेरिका फर्स्ट" का एजेंडा फॉलो किया तो।

विशेषज्ञ कहते हैं कि ट्रम्प एच-वनबी वीज़ा नियमों को और सख्त बना सकते हैं, जिससे इंडियन आई. टी. कंपनियों की ग्रोथ व लागत प्रभावित होगी। चूंकि भारत की 80 प्रतिशत आई निर्यात आय अमेरिका से होती है। वीज़ा नीति में कोई बदलाव हुआ तो आई. टी. सैक्टर पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। दोनों देशों के बीच सालाना 190 अरब डॉलर का व्यापार होता है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जी. टी. आर. आई.) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव कहते हैं कि ट्रम्प चीन के अलावा भारत व कई अन्य देशों पर भारी टैक्स लगा सकते हैं। ट्रम्प ने पूर्व में ज्यादा टैक्स के लिए भारत की कड़ी आलोचना की तथा 2020 में भारत को "टैक्स अब्यूज़र" और "टैरिफ किंग" की उपाधि दी थी। इन टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल भारतीय व्यापार की दृष्टि से अच्छा नहीं होगा।

श्रीवास्तव ने कहा कि ट्रम्प "अमेरिका फर्स्ट" एजेंडा के तहत भारतीय सामानों पर भारी टैक्स लगा सकते हैं, जिससे भारतीय सामान अमेरिका में ज्यादा महंगा बिकेगा और बाजार प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाएगा।

- जैसा कि गत तीन चार साल से ट्रम्प "अमेरिका फर्स्ट" का नारा देते रहे हैं तथा भारत को टैरिफ का दुरुपयोग करने वाला, टैरिफ किंग बताते रहे हैं। अतः बढ़ी हुई कस्टम ड्यूटी के कारण, भारतीय सामान को "कॉम्पीटिशन" का सामना करना पड़ेगा।
- इसी प्रकार ट्रम्प भारत से एच-1 बी वीज़ा पर आई.टी. इण्डस्ट्री में काम करने आने वाले भारतीय "टैकियों" के लिए अमरीका आना, रहना और महंगा और कठिन हो जायेगा और भारतीय आई.टी. इण्डस्ट्री का अमेरिका में काम करना और महंगा हो जायेगा।
- भारत के व्यापारियों के लिए केवल एक ही आशा की किरण है, ट्रम्प का "अमेरिका फर्स्ट" नारा केवल मतदाता को लुभाने के लिये, एक चुनावी जुमला ही हो और वे इसे एक राजनीतिक एजेण्डा का रूप नहीं देगें।

दूसरी ओर चीन पर ज्यादा आक्रामक रुख अपनाने से भारतीय निर्यातकों के लिए नए अवसर खुलेंगे भारत और अमेरिका का व्यापार 2023-24 में 120 अरब डॉलर है जो कि उससे पिछले वर्ष के 129.4 अरब डॉलर से कम है।

जी. टी. आर. आई. रिपोर्ट के अनुसार दुग्ध उत्पादों, फल-सब्जियों, अनाज, तिलहन आदि पर अमेरिकन टैक्स विश्व में सर्वाधिक है जिससे इनकी कीमतें 193 प्रतिशत तक बढ जाती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड एक्सपर्ट विश्वजीत धर ने चेतावनी दी है कि ट्रम्प के राज में अमेरिका संरक्षणवादी नीति पर चलेगा खासकर इलैक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में। धर ने चिंता जताई कि ट्रांसपैसिफिक पार्टनरशिप से ट्रम्प का अलग होना "इण्डो पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉसपैरिटी" के लिए संकट का संकेत हो सकता है। यह संगठन 2022 में बना था तथा 14 देश इसके सदस्य हैं।

फैडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के डायरैक्टर जनरल अजय सहाय का कहना है कि ट्रम्प ज्यादा संतुलित व्यापारिक रिश्ते पर जोर देंगे, जिससे टैक्स पर विवाद हो सकता है। सहाय ने कहा कि संरक्षणवाद के प्रति रुझान में वृद्धि जारी रहेगी तथा इमिग्रेशन की नीतियां और कठोर बनेंगी।

ई. वाय. इंडिया के पार्टनर अग्नेश्वर सेन ने भविष्यवाणी की है कि अमेरिका उत्पादन को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिए टैक्स बढ़ाने का विकल्प चुन सकते हैं। इससे टैक्सटाइल, कैमिकल्स, दवाओं से भारतीय सामान टैक्स बढ़ाया जा सकता है। सेन ने सुझाव दिया कि भारत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर की कॉलोनी में तेंदुए से भय फैला

उदयपुर, 6 नवम्बर। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 10 लोगों का शिकार करके आतंक मचाने वाले तेंदुए ने इस बार शहर की एक कॉलोनी में अपनी उपस्थिति दर्शाकर शहर के बस्ती क्षेत्र में भय पैदा कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, शहर के मल्लातलाई स्थित रामपुरा के पीपली चौक में बुधवार तड़के दो बजे एक तेंदुए ने श्वान पर हमला कर दिया। श्वान चौक में खड़ी गाड़ी के नीचे बैठा हुआ था। तभी अचानक तेंदुआ वहां पहुंचा और

- बुधवार रात 2 बजे तेंदुआ चौक में खड़ी एक गाड़ी के नीचे बैठे श्वान को घसीट कर ले जाने लगा। आस-पास के अन्य श्वान इकट्ठे होकर भौंकने लगे। शोर मच जाने पर तेंदुआ भाग गया। सारी घटना सी.सी. टी.वी. में कैद हो गईं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

महिलाओं के स्वाभिमान पर जुबानी हमले

देश की मीडिया विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक पर सरेआम महिला नेताओं के शरीर और चरित्र पर जुबानी हमलों की झड़ी लगी रहती है। अनेक उदाहरण दिए जा सकते हैं। यहाँ किसी का नाम लिखने की जरुरत नहीं है। ऐसे कार्यों में पक्ष और विपक्ष दोनों के नेता समान रूप से जिम्मेदार है। हमारी कथनी और करनी में कितना अंतर है, यह साफ़ दृष्टिगोचर होता है। बात-बात पर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार आरोपित करने वाली महिला नेता ऐसी घटनाओं पर चुप्पी साध लेती है। वे इस दौरान पार्टी लाइन पर चलती है और उन्हें इस बात से कोई मतलब नहीं है कि उनकी पार्टी के नेताओं की महिलाओं के बारे में क्या सोच है। आश्चर्य तब होता है जब महिला नेता ही दूसरे पक्ष की महिला नेता पर अशोभनीय टिप्पणियां करती है। कहने का तात्पर्य है महिला ही महिला की दुश्मन बन जाती है।

हमारे देश में नारी पूजने का हम गर्व के साथ स्मरण करते हैं।भारतीय संस्कृति, सदैव 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता' सिद्धान्त का अनुगामी है। भारत में सर्वदा नारी को अत्यन्त उच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया गया तथा उसे लक्ष्मी, देवी, साम्राज्ञी, महिषी आदि सम्मानसूचक नामों से अलंकृत किया जाता था। मगर यह भी सच है मौका मिलते ही हम नारी की अस्मिता से खिलवाड़ करने से नहीं चूकते है। चुनाव आते ही हमारे देश में तरह-तरह के बोल सुनने और देखने को मिलते है। हम बात कर रहे है महाराष्ट्र और झारखण्ड चुनावों की।

चुनावों के दौरान नारी की अस्मिता को लेकर एक बार फिर घमासान मचा हुआ है और एक-दूसरे पर आरोपों की झड़ी लगायी जा रही है। महाराष्ट्र के एक बड़े नेताजी ने चुनाव लड़ रही एक महिला नेता को इम्पोर्टेड माल से विभूषित किया तो झारखण्ड में एक मंत्रीजी ने एक महिला नेता को रिजेक्टेड घोषित कर दिया। यह तो एक बानगी है। ऐसी घटनाएं हमारे देश में आये दिन देखने और सुनने को मिल रही है। मौका मिलते ही हम महिलाओं को दुत्कारते देर नहीं करते।

एक तरफ सियासी पार्टियां अपने चुनावी घोषणा पत्रों और गारंटियों में महिला वोटरों को लुभाने के लिए तरह-तरह के प्रलोभन देते है वहीं चुनाव लड़ रही महिलाओं के चीर हरण में जरा भी विलम्ब नहीं करती। देश का दुर्भाग्य है महिलाओं पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले नेता जनमत को देखते ही माफ़ी मांगने से गुरेज नहीं करते। मगर आज महिलाओं के समक्ष जो वास्तविक चुनौतियां है उस पर गंभीरता से मंथन करने की जरुरत है। देशभर में इन दिनों महिलाओं पर अत्याचार, छेड़खानी और दुष्कर्म की वारदातों से समाचार पत्रों के पन्ने रंगे होते है। दुनियां चाहे कितनी ही तरक्की कर ले मगर महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार आज भी जारी है। हम अपने व्यवहार और आदतों को बदलने को तैयार नहीं है। हम सुधरने को तैयार नहीं है। अपनी गलती का दोषारोपण महिला पर लगाने को जैसे तत्पर रहते है। यह कहते हमें शर्म नहीं आती कि महिला रात को क्यों घूमती है। हकीकत यह है कि महिलाएं आज भी अपनी अस्मिता की रक्षा, न्याय और अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही है। फिर बात करते है महिला समानता की। जब तक हम अपनी कथनी और करनी में सुधार नहीं करेंगे तब तक समानता और विकास की बात अधूरी होगी।

महिला समानता और सुरक्षा आज सबसे अहम मुद्दा है, जिसे किसी भी हालत में नकारा नहीं जा सकता। सच तो यह है कि एक छोटे से गांव से देश की राजधानी तक महिला सुरक्षित नहीं है। अंधेरा होते-होते महिला प्रगति और विकास की बातें छू-मंतर हो जाती हैं। रात में विचरण करना बेहद डरावना लगता है। कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित घर पहुँचने की चिंता सताने लगती है।

सदियों से हमारा समाज पुरूष प्रधान समाज रहा है। हमने नारी को दोयम दर्जे का माना है। आज समाज के दोहरे मापदण्ड नारी को एक तरफ पूजनीय बताते हैं तो दूसरी तरफ उनका शोषण करते हैं। यह नारी जाति का अपमान है। महिला समाज से वही सम्मान पाने की अधिकारी है जो समाज पुरूषों को उनकी गलतियों के बाद भी एक अच्छा आदमी बनने का अधिकार प्राप्त करता है। सीता से लेकर द्रौपदी तक के उदाहरण हमारे सामने हैं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14,15 और 16 में देश के प्रत्येक नागरिक को समानता का अधिकार दिया गया है। समानता का मतलब 'समानता', इसमें किसी प्रकार का लिंग भेद नहीं है। समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार महिला-पुरुष दोनों को समान रूप से दिया गया है। शारीरिक और मानसिक तौर पर नर-नारी में किसी प्रकार का भेदभाव असंवैधानिक माना गया है। हालांकि आवश्यकता महसूस होने पर महिलाओं और पुरुषों का वर्गीकरण किया जा सकता है। अनुच्छेद-15 में यह प्रावधान किया गया है कि स्वतंत्रता-समानता और न्याय के साथ-साथ के महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण का काम भी सरकार का कर्तव्य है। मगर इसे केवल सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जाता। समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होंगी और अपने स्वार्थों के वशीभूत होकर नारी का अपमान करने वाले लोगों को सबक सिखाना होगा।

महिला आबादी की वास्तविकता और धरातलीय चुनौतियों को समझने की जरूरत है। मुट्ठी भर महिलाओं के आगे बढ़ने से सम्पूर्ण महिला समाज का उत्थान नहीं होगा। महिला समानता और सुरक्षा आज सबसे अहम मुद्दा है, जिसे किसी भी हालत में नकारा नहीं जा सकता। सच तो यह है कि एक छोटे से गांव से देश की राजधानी तक महिला सुरक्षित नहीं है। अंधेरा होते-होते महिला प्रगति और विकास की बातें छू-मंतर हो जाती हैं। रात में विचरण करना बेहद डरावना लगता है। कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित घर पहुँचने की चिंता सताने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि हम नारी समानता और सुरक्षा की बात पर गहराई से मंथन करें।

आज आवश्यकता है स्त्रियों को उनके अधिकार दिलाने की। उन्हें शिक्षित, स्वावलम्बी, मजबूत और अधिकार चेतना बनाने की। सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण हेतु कई कानून बनाए गए परंतु वे सभी कागजों में ही सिमटकर रह गए। जबकि इन कानूनों को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है और दूरदर्शन, निजी चैनल व रेडियो के माध्यम से यह भलीभांति संभव है। इन्हीं माध्यमों से महिलाएं विवाह, दहेज, बलात्कार, संपत्ति अधिकार, समान वेतन, प्रसूति-सुविधा आदि के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं दिशानिर्देश प्राप्त कर सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से सम्मानजनक स्थान पाने की कोशिश कर रही हैं।

बहरहाल जिस तेजी से भौतिकता एवं प्रौद्योगिकी के पक्ष में स्त्री चेतना का विस्तार दृष्टिगोचर हो रहा है यदि उसी गति से स्त्री अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सचेत हो सके तो समाज के अनेक ऐसे वलंत प्रश्नों का हल आसानी से मिल सकता है जिनका समाधान कानून द्वारा अद्यपर्यंत संभव नहीं हो पाया है। संचार माध्यमों की ईमानदार प्रतिबध्दता निश्चय ही महिला सशक्तिकरण के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ सकती है। सरकार को भी इस दिशा में सोचने की जरूरत है।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

क्या स्वदेशी सोच हमारी जीवन शैली बदल पाएगी

अविनाश जोशी

स्वदेशी सोच आधुनिक भारतीय समाज के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसका मतलब है अपनी देशीय उत्पादों को प्राथमिकता देना, उन्हें समर्थन देना और स्वदेशी उत्पादों की उपयोगिता बढ़ाना। स्वदेशी सोच विशेष रूप से अर्थव्यवस्था, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है। यह देश की आत्मनिर्भरता और समृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान है।

भारतीय वस्तुओ के प्रति अनुराग एवम विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार यही तो हमारा मुख्य धर्म होना चाहिए। आज की पीढ़ी को यह सब बताना होगा हमे स्वदेशी उद्योगों, शिक्षा, साहित्य, कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। फैशन ही सही लेकिन स्वदेशी मोह हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। खादी एवम सूती कपडे का प्रचलन स्वदेशी उत्पाद के प्रति जागरूकता का ज्वलंत उदाहरण है। स्थानीय बाजार में स्वदेशी ब्रांड्स के उत्पादों और सेवाओं को समर्थन देना और बढ़ावा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन सभी पहलों के साथ, स्वदेशी ब्रांड्स को उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक विश्वसनीय, उपयुक्त और रचनात्मक समाधान प्रदान करने के लिए प्रयास करना होगा। स्वदेशी सोच देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करती है क्योंकि यह उत्पादन, रोजगार, और आय को स्थानीय स्तर पर बढ़ाती है। स्वदेशी उत्पादन और सेवाओं का समर्थन करने से देश में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र का विकास होता है, जिससे सार्वजनिक उत्पादन और सेवाओं की गुणवत्ता भी बढ़ती है। इसके अलावा, स्वदेशी सोच भ्रष्टाचार को कम करने में भी मदद कर सकती है, क्योंकि स्थानीय उत्पादन और सेवाओं को समर्थन करने से विभाजन और अन्य संगठनात्मक असंतोष कम होता है।

स्वदेशी हमारे 'राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम का मूल-मंत्र था' कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं। उन्नीसवीं सदी में दादा भाई नौरोजी की 'ड्रेन थ्योरी' हो या रमेशचंद्र दत्त की लिखी 'भारत का आर्थिक इतिहास' या सखाराम गणेश देउस्कर लिखित 'देशेर कथा' जैसी पुस्तकें हो, सभी के केंद्र में औपनिवेशिक शासन-तंत्र द्वारा देसी संसाधनों का दोहन व देशी धन-संपदा के विलायत में पलायन को रोकना मुख्य सरोकार थे। आधुनिक हिंदी साहित्य के जनक माने जाने वाले भारतेंदु हरिश्चंद्र ने अपने लेखन से स्वदेशी की अलख जगाई। 1905 का बंग-भंग विरोधी आंदोलन भी स्वदेशी की भावना से ओतप्रोत था जब बंगाल में विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई और उनके बहिष्कार पर बल दिया गया। इस स्वदेशी भाव को राष्ट्रीय स्तर पर बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया महात्मा गांधी ने 1920 में असहयोग आंदोलन आरंभ करके। उन्होंने इसे न केवल विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तथा उनके अग्निदाह तक सीमित रखा, बल्कि उद्योग-शिल्प, भाषा, शिक्षा, वेश-भूषा आदि सब पर स्वदेशी का रंग चस्पा कर दिया।

स्वदेशी ब्रांड्स के सामने अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के प्रति लोगों का विश्वास और विचारशीलता बढ़ाने हेतु स्वदेशी ब्रांड्स को अपने उत्पादों और सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और प्रदर्शन को संदर्भित करना होगा। लोगों को स्वदेशी ब्रांड्स के उत्पादों के सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को समझाना चाहिए। स्वदेशी ब्रांड्स को अपने ब्रांड इमेज और विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए प्रयास करना होगा। उन्हें नई तकनीकों का उपयोग करके उत्पादों और सेवाओं को बेहतर बनाने का प्रयास करना होगा।

स्वदेशी वस्तुओं के मोह को बढ़ाने हेतु लोगों को स्वदेशी उत्पादों के बारे में जागरूक करें, उनके गुणवत्ता, स्थानीय उत्पादन और पर्यावरणीय लाभों के बारे में बताएं। स्वदेशी उत्पादों का समर्थन करने के लिए लोगों को प्रेरित करें, विशेष रूप से स्थानीय व्यवसायों को समर्थन दें। स्वदेशी उत्पादों की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित करें, यह ऑनलाइन या अधिक स्थानीय दुकानों में उपलब्ध हो सकता है। स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने से देश की समृद्धि और आत्मनिर्भरता में योगदान के महत्व को समझाएं। स्वदेशी ब्रांड्स को बढ़ावा देने के लिए उनका ब्रांड इमेज और विश्वसनीयता को मजबूत करें। स्वदेशी उत्पादों के लिए स्थानीय बाजारों और दुकानों में यात्रा करें, और अपने समर्थन का एक विशेष रूप उन्हें दिखाएं। इन तरीकों का अनुसरण करके, स्वदेशी उत्पादों के मोह को बढ़ा सकते हैं और देश के स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन दे सकते हैं।

ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय स्तर पर स्वदेशी उत्पादों के विकास और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये उत्पादकों को सीधे बाजार तक पहुँचने का माध्यम प्रदान करते हैं और स्थानीय विकास को समर्थन देते हैं। ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय कला, शिल्प, और संस्कृति को प्रमोट करते हैं, जिससे उनकी अर्थात्मकता बढ़ती है। ये हाट और हस्तशिल्प क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं, विशेष रूप से महिलाओं और गरीब वर्ग के लोगों के लिए।

ये ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय उत्पादकों के उत्पादों को बाजार में प्रसारित करने का माध्यम होते हैं। ये हाट और हस्तशिल्प स्थानीय शिल्पकला, बुनाई, और अन्य परंपरागत कलाओं को बचाव और संरक्षण का माध्यम भी बनाते हैं। ये स्थानीय समुदाय के आर्थिक विकास में सहायक होते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान होता है। इस प्रकार, ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और स्वदेशी उत्पादों के प्रसार और समर्थन में मदद करते हैं।

स्वदेश सोच को केवल एक दिखावा मानना गलत हो सकता है। हालांकि, कुछ लोग इसे सिर्फ आधुनिक एवं कुछ अलग दिख सके इसका माध्यम मानते हैं, लेकिन असल में, स्वदेश सोच एक विचारशीलता और सामाजिक परिवर्तन की दिशा है। यह उत्पादन, वित्तीय स्वावलंबन, और स्थानीय समुदायों के विकास को समर्थन करता है। इसका उदाहरण उत्पादों की स्थानीय खरीदारी, स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित करना, और विदेशी निवेशों के साथ समर्थन का एकीकरण हो सकता है। इसलिए, स्वदेश सोच वास्तव में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की अवधारणा है, जो समृद्धि और समाज की उन्नति की दिशा में मदद कर सकती है।

स्वदेशी सोच में खादी का महत्वपूर्ण योगदान है। खादी एक परंपरागत भारतीय वस्त्र है जो देश की स्वतंत्रता संग्राम के समय महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खादी का उत्पादन देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का स्त्रोत बनाता है और स्थानीय विकास को समर्थन करता है। खादी के उत्पादन में श्रमिकों की संख्या बहुत बड़ी होती है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। यह उत्पादन भी परंपरागत और स्थानीय वस्त्रों का उत्पादन प्रोत्साहित करता है, जो स्थानीय बाजारों को समृद्ध करता है। इसके अलावा, खादी के उत्पादन में विदेशी निवेशों की कमी होती है, जिससे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलती है। खादी उत्पादन और उपभोक्ता के बीच संबंध भी स्थापित करता है, जो राष्ट्रीय एकता और गर्व को बढ़ाता है। इस तरह, खादी स्वदेशी सोच के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान करती है।

स्वदेशी मानसिकता और आधुनिक फैशन का संगम आधुनिक जीवनशैली में एक महत्वपूर्ण दिशा है। आज के समय में, लोग अपने स्थानीय वस्त्र, शैली, और विरासत को महत्व देते हैं, जो स्वदेशी मानसिकता को प्रोत्साहित करता है। आधुनिक फैशन में स्थानीय अनुभूति, परंपरा, और कला को शामिल किया जाता है। यह लोगों को अपनी संस्कृति के प्रति गर्व महसूस कराता है और स्थानीय कलाओं को प्रोत्साहित करता है। स्वदेशी मानसिकता के साथ, लोग अपने स्थानीय उत्पादों को पसंद करने और समर्थन करने के लिए प्रेरित होते हैं, जिसमें स्थानीय वस्त्र, उपहार, और आभूषण शामिल हो सकते हैं। इस तरह, स्वदेशी मानसिकता और आधुनिक फैशन दोनों को ही एक मंत्र बना सकते हैं, जो स्थानीय समुदायों को समृद्धि और समाज में गर्व का अहसास कराते हैं।

–अविनाश जोशी,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

9वीं से 12वीं कक्षा की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं इस बार राज्य स्तर पर होगी

शिक्षा निदेशालय ने समान परीक्षा के तहत राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या मांगी

- **माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने इस संबंध में सभी डीईओ माध्यमिक को निर्देश जारी किए हैं**
- **अर्द्धवार्षिक परीक्षा राज्य स्तर पर करने के संबंध में शिक्षा निदेशालय स्तर पर एक कमेटी का गठन किया**

बीकानेर, (निसं)। राज्य के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले लगभग 40 लाख विद्यार्थियों की 9वीं से 12वीं कक्षा की अर्द्धवार्षिक परीक्षायें इस साल राज्य स्तर पर एक ही टाइम टेबल और एक ही पेपर से करने की तैयारी शुरू हो गई है। शिक्षा निदेशालय ने समान परीक्षा के तहत राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या मांगी है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने इस संबंध में सभी डीईओ माध्यमिक को निर्देश जारी किए हैं। सभी स्कूलों को आगामी तीन दिन में शाला दर्पण व पीएसपी पोर्टल पर यह सूचना अपलोड करनी होगी।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा राज्य स्तर पर करने के संबंध में शिक्षा निदेशालय स्तर पर एक कमेटी का गठन भी कर दिया गया है। परीक्षा के संबंध में शिक्षा निदेशालय, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उदयपुर सहित पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर के अधिकारियों की एक ऑनलाइन मीटिंग भी हुई। जिसमें समान परीक्षा के आयोजन को लेकर विचार मंथन हुआ। जानकारी के अनुसार पिछले साल तक 9वीं से 12वीं कक्षा की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं जिला स्तर पर जिला समान परीक्षा योजना के तहत आयोजित की जाती रही है। इस बार परीक्षा राज्य स्तर पर एक समान टाइम टेबल और एक समान पेपर के आधार पर होगी। शिविरा कलेंडर के मुताबिक शिक्षा सत्र 2024-25 में 9वीं से 12वीं कक्षा की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं 12 दिसंबर से 24 दिसंबर तक आयोजित कराई जाएगी। समान परीक्षा योजना के तहत बोर्ड कक्षाएं 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के प्रश्न पत्र 100३ सिलेबस के आधार पर तैयार किए जाएंगे। जबकि 9वीं और 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों को 70 प्रतिशत सिलेबस में से प्रश्न पूछे जाएंगे। शिक्षा निदेशालय स्तर पर इसी सप्ताह समान परीक्षा के लिए नोडल एजेंसी और परीक्षा की फीस का निर्धारण कर दिया जाएगा। जयपुर में इस संबंध में 7 नवंबर को एक बैठक और आयोजित की जाएगी।

आशीष मोदी, निदेशक, माध्यमिक शिक्षा का कहना है कि 9वीं से 12वीं कक्षा की अर्द्धवार्षिक परीक्षा राज्य स्तर पर करने की तैयारी चल रही है। जल्द ही नोडल एजेंसी और परीक्षा फीस का निर्धारण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा छात्रावृत्ति : 29 नवम्बर तक कमियों की पूर्ति करनी होगी

अजमेर, (कासं)। शैक्षणिक सत्र 2016-17 से 2022-23 में उत्तर मैट्रिक छात्रावृति योजनाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (केवल शैक्षणिक सत्रा 2022-23), आर्थिक पिछड़ा वर्ग एवं मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा छात्रावृति में ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों में से कुछ आवेदन पत्रों में आंशिक कमियाँ, आक्षेप, रैड फ्लैग में होने के कारण विभाग द्वारा आक्षेपित किया गया था। ऐसे आवेदन पत्रों में संबंधित विद्यार्थी या शिक्षण संस्थाओं द्वारा आक्षेप पूर्ति करने के लिए कई अवसर दिए जाने के उपरान्त भी इन विद्यार्थियों या शिक्षण संस्थाओं द्वारा आक्षेप पूर्ति कर ऑनलाईन फारवर्ड नहीं किया गया है। इसकी वजह से ऐसे छात्रावृति आवेदन पत्रों की स्वीकृति एवं भुगतान संबंधी कार्यवाही किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक अनिल व्यास ने बताया कि विद्यार्थी हित में अन्तिम अवसर प्रदान करते हुए शैक्षणिक सत्रा 2016-17 से 2022-23 तक के ऑनलाईन आवेदन पत्रों का पूर्ण निस्तारण करने के लिए विद्यार्थियों के स्तर पर आक्षेप या अन्य कारणों से लम्बित आवेदन पत्रों की आक्षेप पूर्ति कर शिक्षण संस्थान को ऑनलाईन फारवर्ड करने की अन्तिम तिथि 22 नवम्बर, शिक्षण संस्थाओं को विद्यार्थियों से प्राप्त ऑनलाइन आवेदन पत्रों की जांच कर पात्र आवेदन पत्रों को स्वीकृतकर्ता अधिकारी तक ऑनलाइन फारवर्ड करने की अंतिम तिथि 29 नवम्बर, स्वीकृत अधिकारियों द्वारा समस्त पात्र आवेदन पत्रों को स्वीकृत कर भुगतान करने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर तथा शैक्षणिक सत्र 2021-22 एवं 2022-23 के रैड फ्लैग में प्रदर्शित आवेदन पत्रों के संबंधित विद्यार्थी को वांछित दस्तावेज संबंधित जिला कार्यालय में प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 30 नवम्बर निर्धारित की गई है। इन तिथियों के पश्चात् विद्यार्थी एवं शिक्षण संस्थान के स्तर पर लम्बित आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

सफाई भर्ती में आवेदन तिथि बढ़ाई

अजमेर, (कासं)। प्रदेश के नगरीय निकायों में सफाई कर्मचारियों के 23820 पदों के लिए निकाली गई सीधी प्रक्रिया जारी है। 6 नवंबर अंतिम तिथि थी, जिसे बढ़ाकर 20 नवम्बर कर दिया है। अजमेर संभाग के 13 निकायों के लिए डीएलबी ने 1445 सफाई कर्मचारियों के पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। निकाय अजमेर के लिए 470 पद, ब्यावर में 177, किशनगढ़ 81, केकड़ी 74, पुष्कर 68, सरवाड़ 47, बिजयनगर 70, टोंक 248 पद, निवाई 33, मालपुरा 96, देवली 17, टोडारायसिंह 49 व उनियारा के लिए 15 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

टाइगर के हमले से श्रद्धालु घायल

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर के रणथंभौर टाइगर नेशनल पार्क के रणथंभौर दुर्ग के नोलखा गेट पर टाइगर के हमले से त्रिनेत्र गणेशजी के दर्शन करने गया श्रद्धालु घायल हो गया। घायल को सवाई माधोपुर चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रद्धालु शाम करीब 4:30 बजे त्रिनेत्र गणेशजी के दर्शन करके लौट रहा था। इसी दौरान बाघिन रेरोहेड के शावक ने श्रद्धालु पर हमला कर दिया जिससे उसकी शर्ट फट गई एवं हाथ पर खरोचें आई हैं।

घायल को सवाई माधोपुर चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची एवं श्रद्धालु व पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए वन कर्मियों की टीम तैनात कर दी गई है। एक अक्टूबर से रणथंभौर नेशनल पार्क में टूरिस्ट सीजन शुरू हो गया है इस पार्क में कुल 10 जॉन है इनमें दो पारियों में टूरिस्ट को टाइगर सफारी कराई जाती है जिसमें सुबह की पारी 6 बजे से 9 तक एवं शाम की पारी 3 बजे से 6 बजे तक होती है इस समय रणथंभौर नेशनल टाइगर पार्क में 81 बाघ, बाघिन व शावक मौजूद है।

राशिफल

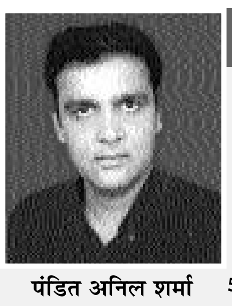

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 7 नवम्बर, 2024

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र दिन 11:47 तक, धृति योग प्रातः 9:51 तक, कौलव करण दिन 12:28 तक, चन्द्रमा आज सायं 5:54 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 11:47 से आरम्भ होगा। आज डाला छठ महापर्व पूर्ण होगा। डाला छठ पर्व पर अस्तगामी सूर्य को अर्ध्या।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 8:06 तक, चर 10:49 से 12:10 तक, लाभ-अमृत 12:10 से 2:53 तक, शुभ 4:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:45, सूर्यास्त 5:36

मेष

व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

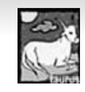

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

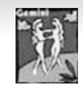

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक मामलों से संबंधित विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

सिंह

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

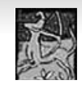

धनु

व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जा सकते हैं। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मकर

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

कुंभ

आर्थिक/वित्तिय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आज अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। अटके हुए कार्य बन सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

सार-समाचार

कोटा विकास प्राधिकरण की बैठक

कोटा, (निसं)। कोटा विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के लिए 2047 तक का मास्टर डवलपमेंट प्लान तैयार होगा। केडीए के तहत अधिसूचित रीजन में नए राजस्व ग्राम जोड़ने, क्षेत्र के भावी विकास, सतत एवं सुनियोजित विकास को देखते हुए मास्टर प्लान तैयार करने के लिए खुली निविदा आमंत्रित की जाएगी। यह निर्णय कोटा विकास प्राधिकरण की बुधवार को प्राधिकरण उपाध्यक्ष डॉ. रविन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित द्वितीय बैठक में लिया गया है। बैठक में मल्टीमेटल के सामने स्थित मोटर मार्केट में थड़ी व्यवसायियों, मोटर मैकेनिक आदि के पुनर्वास के लिए आवंटन प्रक्रिया से जुड़े प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इसी प्रकार कुन्द कुन्द आवासीय योजना में निर्मित आवासों के आवंटन के नए प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया गया। योजना के तहत कुल 318 आवास उपलब्ध हैं। बैठक में संपूर्ण चम्बल रिवर फ्रंट के संचालन को सुगम बनाने एवं केडीए पर आ रहे आर्थिक भार को कम करने के लिए फेसिलिटी मैनेजमेंट सर्विस के तहत विभिन्न कार्यों के संचालन के लिए निविदा आमंत्रित करने के प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया गया। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने केडीए रीजन में जोड़े गए बूंदी जिले के तालेड़ा एवं केशोरायपाटन में नगर नियोजन के लिए योजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के पास स्थित शंभूपुरा गांव में मास्टर प्लान के अनुसार उपलब्ध आवासीय भूमि के लिए आवासीय योजना बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। बैठक में बूंदी जिला कलक्टर अक्षय गोदारा, पुलिस अधीक्षक कोटा (शहर) डॉ. अमृता दुहन, कोटा विकास प्राधिकरण सचिव कुशल कोठारी, उप सचिव हर्षित वर्मा, भूमि अवाप्ति अधिकारी मालविका त्यागी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यशाला आयोजित

कोटा, (निसं)। कोचिंग नगरी कोटा में तनाव से सम्बंधित कई ऐसे विषय सामने आए जो बेहद गंभीर थे, ऐसे में कोचिंग स्टूडेंट ही नहीं बल्कि अधिकांश लोगों में तनाव होता है और वहीं तनाव कई बीमारियों के साथ समस्या का कारण बनता है।अफिनिटी हॉस्पिटल, तलवंडी चौराहा द्वारा लगातार तनाव को कम करने, उससे बचाव और तनाव के दौरान और बाद में उत्पन्न परिस्थितियों पर मंथन किया जा रहा है, विषय विशेषज्ञ अपने अनुभव के आधार पर लोगों को जागरुक कर रहे हैं। कोचिंग स्टूडेंट के साथ आमजन की लगातार काउंसलिंग की जा रही है और तनाव से उन्हें बाहर लाने का प्रयास किया जा रहा है। बुधवार को अन्तर्राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस मनाया गया और साथ ही तनाव को लेकर आमजन में जागरूकता फैलाने के विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इस कार्यशाला में डॉ. नीना विजयवर्गीय, मनोचिकित्सक एवं काउंसलर, एमबीबीएस, डीपीएम (साइकेट्री), एमआईपीएस द्वारा तनाव, इसके लक्षण, संभावित कारण, इससे जुड़ी भ्रांतियां व तथ्य, रोकथाम, बचाव के उपाय आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। उन्होंने कहा कि तनाव एक द्वन्द है, जो मन एवं भावनाओं में गहरी दरार पैदा करता है। उससे मन अशान्त, भावना अस्थिर एवं शरीर अस्वस्थता का अनुभव करते हैं। भारत में लगभग 77 प्रतिशत लोग नियमित रूप से तनाव का कम से कम एक लक्षण अनुभव करते हैं।

पर्यावरण समिति की बैठक सम्पन्न

झालावाड़, (कासं)। जिला पर्यावरण समिति की बैठक जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में बुधवार को मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिला कलक्टर ने पर्यावरण प्रदूषण से बचाव हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर जिला पर्यावरण समिति के सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए जिले में पूर्ण रूप से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद् झालावाड़ आयुक्त एवं नगर पालिका झालरापाटन के अधिशासी अधिकारी को शहरी क्षेत्र में वृहद् स्तर पर अभियान चलाकर सिंगल यूज प्लास्टिक की जप्ती की कार्यवाही के निर्देश दिए।इस दौरान जिला कलक्टर ने जिले में चल रहे अवैध क्रेशरों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने तथा सभी क्रेशर की आधुनिकतम मशीनों के माध्यम से जांच करने के निर्देश राजस्थान प्रदुषण कन्ट्रोल बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी को दिए। उन्होंने वन क्षेत्रों में संचालित क्रेशर से पर्यावरण प्रदूषण होने की बात पर उनकी भी जांच के आदेश उप वन संरक्षक एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके अतिरिक्त जिला कलक्टर ने जिले में सरकारी भूमि पर चल रहे ईंट भट्टों को भी हटवाने के निर्देश दिए। इस दौरान शहर के ध्वनि प्रदूषण को कम करने एवं आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने के लिए समिति के सदस्यों के साथ चर्चा की गई।

कोटा के ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण को पर्यावरण मंत्रालय की मिली मंजूरी

कोटा, (निसं)। कोटा में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के निर्माण कार्य को केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। बुधवार को संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन और अधिकारियों के साथ राजस्थान राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक हाईब्रिड मोड में आयोजित की गई। बैठक में हवाई अड्डे के निर्माण की प्रगति, पर्यावरणीय पहलुओं, और अन्य आवश्यक स्वीकृतियों की समीक्षा के साथ दिसंबर 2027 तक हवाई अड्डा निर्माण कार्य पूर्ण कर संचालन प्रारंभ करने की समय-सीमा तक की गई। बैठक में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अधिकारियों ने बिरला को बताया कि

कोटा के ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को लेकर स्पीकर ओम बिरला के साथ एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया की बैठक हुई है। इस दौरान अन्य विभागों के उच्च अधिकारी भी मौजूद रहे।

■ **इस हवाई अड्डे का संचालन दिसंबर 2027 तक शुरू कर दिया जाएगा**

कोटा ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का निर्माण कार्य समस्त आवश्यक स्वीकृतियों के उपरांत मई 2025 से प्रारंभ कर दिया जाएगा और इस हवाई अड्डे का संचालन दिसंबर 2027 तक शुरू कर दिया जाएगा। यह हवाई अड्डा राजस्थान के कोटा शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर, 1005 एकड़ क्षेत्र में निर्मित किया जा रहा है। इस हवाई अड्डे में 3200 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा रनवे होगा। नवीन हवाई अड्डे पर सात विमान पार्किंग क्षेत्रों का निर्माण किया जाएगा। यह हवाई अड्डा प्रति वर्ष 20 लाख यात्रियों और प्रति घंटे 1,000 यात्रियों की क्षमता प्रदान करेगा। हवाई अड्डे को नेशनल हाईवे-52 से जोड़े जाने के लिए चार लेन की 30 मीटर संपर्क सड़क निर्माण का भी प्रस्ताव है। इस हवाई अड्डे को इस रूप में नियोजित किया जा रहा है कि वर्तमान में घरेलू उड़ानों में उपयोग में आ रहे सबसे बड़े हवाई जहाज भी यहां से उड़ान भर सकेंगे। भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय उड़ाने भी संचालित हो सकेंगी। राजस्थान के वन विभाग के हेड ऑफ फॉरेस्ट अरीजीत बनर्जी ने जानकारी दी कि कोटा ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के निर्माण के लिए भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय से भूमि हस्तांतरण की अनुमति प्राप्त हो गई है। राजस्थान सरकार के वन विभाग ने भी इस परियोजना को स्वीकृति दे दी है। स्पीकर ओम बिरला की पहल पर पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा 10,000 नए पेड़ भी लगाए जाएंगे। वर्ल्ड क्लास सुविधाओं के साथ फ्लाइंग क्लब भी बनेगा-हवाई अड्डे के साथ पायलट प्रशिक्षण के लिए फ्लाइंग क्लब, फ्लाइंग स्कूल का विकास किया जायेगा। रक्षा मंत्रालय ने जुलाई 2023 में कोटा हवाई अड्डे के लिए एनओसी जारी की थी। इसके बाद, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और राजस्थान सरकार के बीच जुलाई 2024 में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजना के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित हुआ था।

सार-समाचार

चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

बूंदी, (निसं)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में नेहरू युवा केन्द्र द्वारा नैनवां रोड स्थित निजी कोचिंग संस्थान में राष्ट्रीय एकता दिवस सप्ताह के तहत युवा परिचर्चा, चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जन्म जयंती सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में रोचक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में युवाओं ने उत्साह से भाग लेकर 'राष्ट्रीय एकता में युवाओं की भागीदारी' विषय पर अभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शारीरिक शिक्षक हितेश खींची रहे तथा अध्यक्षता एबीवीपी विभाग संयोजक पंकज गुर्जर ने की। विशिष्ट अतिथि संस्थाप्रधान दिनेश कुमार नागर, शिक्षक अर्जुन सिंह रहे। मुख्य अतिथि शारीरिक शिक्षक खींची ने सरदार पटेल की जीवनी के बारे में बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता में वल्लभभाई का महत्वपूर्ण भूमिका रही, उनकी संकल्पवादी, मानववादी व राष्ट्रवादी सोच ने एकजुट स्वतंत्र भारत को साकार रूप दिया। अध्यक्षता कर रहे गुर्जर ने राष्ट्र की एकता व अखंडता पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि नागर ने बढ़ते सामाजिक और सांप्रदायिक तनावों के संदर्भ में जानकारी देते हुए भारत में विविधता में एकता का पाठ पढ़ाया। राष्ट्रीय युवा कार्यक्रम सहभागी शिखर पंचोली ने आभार व्यक्त किया। संचालन प्रभारी गोविंद प्रजापत ने किया। इस अवसर पर रोहन गुर्जर, शिवराज प्रजापत, महावीर नागर, योगेंद्र कुमार व अन्य मौजूद रहे।सह प्रभारी योग प्रशिक्षक भूपेन्द्र योगी ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में अनुक्ष गौतम प्रथम, चंदन मीणा द्वितीय, निशा नागर तृतीय, चित्रकला प्रतियोगिता में धीरज प्रथम, दीपक नागर, दीपक बैरवा रहे।

लावारिस हालत में मिला मजदूर का शव

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी थाना इलाके के भदाना क्षेत्र में एक मजदूर का शव लावारिस हालत में मिला सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर ही मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए लेकिन मौके पर मृतक की शिनाख्त नहीं होने के बाद पुलिस ने मृतक के शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में रखवा दिया मृतक की शिनाख्त मांगरोल निवासी राजेंद्र के रूप में की।

नाम परिवर्तन

मैं सुरेश कुमार विशनानी पुत्र श्री जगत राम मेरे पासपोर्ट में नाम सुरेश कुमार दर्ज है जबकि अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा नाम सुरेश कुमार विशनानी है अत: पासपोर्ट में मेरा नाम सुरेश कुमार विशनानी दर्ज किया जाए।

संख्याक-4
संक्षिप्त वाद का सम्मन
आदेश 37 नियम 2
न्यायालय वाणिज्यिक न्यायाधीश, कोटा वाद सं. 76/2023 केनरा बैंक...वादी
विरूद्ध
मैसर्स नितिन ट्रेडिंग कम्पनी प्रतिवादी

प्रेषित (1) मैसर्स नितिन ट्रेडिंग कम्पनी प्रो. नितिन कुमार बोरखेड़ा पेट्रोल पम्प के सामने, किराये की दुकान बारां रोड़, बोरखेड़ा, कोटा (राज.) (2) अशोक कुमार जैन आत्मज सुन्दर लाल जैन मैसर्स अग्रवाल ट्रेडिंग, गांधी चौक, रामपुरा बाजार, कोटा (राज.)

वादी केनरा बैंक ने सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के आदेश 37 के अधीन आपके विरूद्ध 548852 रूपये 27 पैसे और ब्याज के लिए संस्थित किया है। आपको सम्मन दिया जाता है कि आप इस सम्मन की तामील होने की तारीख से 10 दिन के भीतर उपसंजात (हाजिर) हो। यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो 10 दिन के अवधि बीत जाने के पश्चात वादी को 548852 रूपये 27 पैसे से अनधिक राशि के लिए और खर्चों के बाबत 548852 रूपये 27 पैसे की राशि के लिए ऐसे ब्याज सहित, यदि कोई हो, जैसा न्यायालय आदिष्ट करें, डिग्री अभिप्राप्त करने का हक होगा। यदि आप उपसंजात होते है तो वादी तत्पश्चात् आपको निर्णय के लिए समन तामील करेगा जिसकी सुनवाई के समय आपको वाद की प्रतिरक्षा करने की इजाजत के लिए न्यायालय से समावेदन करने का हक होगा।

यदि आप शपथ पत्र द्वारा या अन्यथा न्यायालय का यह समाधान कर देते है कि वाद की प्रतिरक्षा गुणागुण (मेरिट) के आधार पर की जा सकती है या युक्ति युक्त है कि आपके प्रतिरक्षा करने के लिए अनुज्ञा दी जानी चाहिए तो प्रतिरक्षा करने की इजाजत दी जा सकेगी है।

यह आज तारीख 24.09.24 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया जाता है।

मोहर

न्यायाधीश
वाणिज्यिक न्यायालय,
कोटा (राज.)

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, कोटा खण्ड कोटा

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त संबंधित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 66/2024

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री रामविलास मीना पुत्र श्री रामलाल मीना निवासी के एच 223-224 केशवपुरा सेक्टर नं. 6 कोटा द्वारा राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (2) के अंतर्गत प्रन्यास "राष्ट्र रखवाला वसुधैव कुटुम्बकम मनोकामना पूर्ण अनंत जगत ज्योति शक्ति पीठ सेवा ट्रस्ट" के.एच. 223-224 केशवपुरा सेक्टर 6 कृष्णा दुध डेयरी के पास कोटा के संबंध में पंजीयन हेतु जांच किए जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें।

और सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित प्रक्रिया अनुसार निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 01.10.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया।

प्रकरण में आगामी सुनवाई की दिनांक 03.12.2024 है।

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/2726 **विज्ञप्ति** दिनांक:-6.11.2024

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम नान्ता में स्थित कृषि भूमि योजना वर्धमान कालोनी भूखंड संख्या सी-7 खसरा नं. 1597 आवेदक/आवेदिका श्रीमती राजकान्ता पत्नी श्री राजेन्द्र प्रसाद निवासी प्लाट नं 7 वर्धमान कालोनी ग्राम नान्ता तहसील लाडपुरा जिला कोटा द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 958 दिनांक 30.06.2022 को श्री डॉ. जे.के. सिंघवी पुत्र श्री सुन्दर लाल, श्री डॉ. अशोक शर्मा पुत्र श्री गोवर्धन लाल शोडिल्य, श्री डॉ. अशोक शारदा पुत्र श्री मदन मोहन शारदा, डॉ. मोहन मंत्री पुत्र श्री बल्लभ मंत्री एवं डॉ. अशोक जैन पुत्र श्री सुरज मल जैन के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारियों द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 05.07.2024 को जर्ये मुख्तारआम श्री राजेन्द्र प्रसाद पुत्र श्री कजोडी लाल द्वारा आवेदिका के पक्ष में किया गया है।

अत: श्रीमती राजकान्ता पत्नी श्री राजेन्द्र प्रसाद के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण

सतीश पूनिया ने झुंझुनूं में चुनाव प्रचार कर भाजपा को जिताने का आव्हान किया

भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने झुंझुनू विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भाम्बू के समर्थन में चुनाव प्रचार किया

झुंझुनूं/जयपुर। भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने बुधवार को झुंझुनू जिले के प्रवास पर झुंझुनू विधानसभा के दर्जनों से अधिक पार्टी के कार्यक्रमों में शामिल होकर भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भाम्बू के समर्थन में चुनाव प्रचार किया।

उन्होंने युवा किसान और कार्यकर्ता सम्मेलनों को संबोधित कर कहा कि पार्टी ने राजेंद्र भाम्बू के रूप में एक योग्य व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया है, जिनको जिताकर आप विधानसभा में भेजेंगे तो निश्चित रूप से झुंझुनूं के विकास का नया अध्याय शुभारंभ होगा, जिसकी सबसे बड़ी वजह है कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के रूप में सक्षम और मजबूत सरकार है तो वहीं प्रदेश में भी भाजपा की सुशासन भजनलाल सरकार है, यह डबल इंजन सरकार झुंझुनूं के विकास को मजबूती से आगे बढ़ाएगी, जिसमें पेयजल, सिंचाई, रोजगार, सड़क, बिजली, उद्योग धंधे, ऐसे तमाम काम होंगे जिससे झुंझुनूं हर क्षेत्र में विकसित बनेगा।

सतीश पूनियां ने आव्हान करते हुए कहा कि झुंझुनूं जिले के विकास की मजबूती के लिए भाजपा को वोट करें, जिले की पेयजल समस्या का जल्द समाधान होगा, यमुना जल

राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया झुंझुनू विधानसभा के दर्जनों से अधिक पार्टी के कार्यक्रमों में शामिल हुये।

समझौते का झुंझुनूं को बहुत बड़ा लाभ मिलेगा, पूरे भरोसे के साथ आपको विश्वास दिलाता हूं। उन्होंने कहा कि, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की भाजपा की सरकार झुंझुनूं के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं और यह हम सब की जिम्मेदारी है कि झुंझुनू में भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भाम्बू को जिताकर झुंझुनूं के विकास को और अधिक गति प्रदान करें। झुंझुनूं के हर गांव, ढाणी में भाजपा की लहर, यहां की जनता ने भाजपा को जिताने का मन बना लिया है, केंद्र में एनडीए-भाजपा की मोदी सरकार है और राजस्थान में भाजपा की भजनलाल सरकार है, ऐसे में जहां केंद्र और प्रदेश में दोनों जगह भाजपा की सरकार हैं तो झुंझुनू की जनता ने भी भाजपा को जिताने का मन बना लिया है, क्योंकि झुंझुनू की जनता हमेशा सत्ता के साथ रहती है जो विकास को पसंद करती है, और विकास भाजपा ही कर सकती है, यह देश, राजस्थान और झुंझुनूं की जनता

- **झुंझुनूं के हर गांव, ढाणी में भाजपा की लहर, यहां की जनता ने भाजपा को जिताने का मन बना लिया : पूनिया**

अच्छे से जानती है।

सतीश पूनियां के साथ चुनाव प्रचार में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती महाराज, जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरि , पूर्व सांसद नरेंद्र खीचड़, विधायक धर्मपाल गुर्जर, विधायक हरलाल सहारण, पूर्व विधायक सुभाष पूनिया, राष्ट्रीय परिषद सदस्य विशम्भर पूनिया, भाजपा युवा नेता बबलू चौधरी, सीएलसी निदेशक श्रवण चौधरी, विधायक गोवर्धन वर्मा, मण्डल अध्यक्ष बलजीत शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरोज श्योराण, सरपंच प्रदीप झाझड़िया, ओमेंद्र चारण समेत पदाधिकारी, गणमान्य लोग व कार्यकर्ता उपस्थित रहे, इन सभी ने एक सुर में भाजपा को जिताने की अपील की।

पांच नामी टेलर्स के शोरूम के यहां जी.एस.टी. का छापा

जीएसटी चोरी के शक में कार्रवाई की गई

कोटा, (निसं)। गुड्स एंड सर्विस टैक्स की टीम ने कोटा के टॉप टेलर्स के शोरूम पर छापा मारा है। जहां पर सर्वे की कार्रवाई की गई है। जीएसटी चोरी के शक में ये कार्रवाई की गई है जिसमें जीएसटी के अधिकारी कार्मिक मौके पर पहुंचे। टीम ने कई जगह पर एक साथ छापे की कार्रवाई की है। कोटा शहर में छावनी, गुमानपुरा, एरोड्रम व कोटड़ी रोड एरिया में कार्रवाई की गई है।

कोटा वाणिज्य कर विभाग की अतिरिक्त आयुक्त सुनीता डागा का कहना है कि यह कार्रवाई वाणिज्य कर विभाग के आयुक्त प्रकाश राजपुरोहित के निर्देश पर शुरू हुई है। इसमें शहर के पांच बड़े टेलर्स की शॉप पर टीम को भेजा गया था। उनके करीब 10 ठिकानों पर दबिश दी गई। सोमवार दोपहर से यह

- **रिकॉर्ड की छानबीन पूरी होने के बाद ही टैक्स चोरी का आंकड़ा सामने आएगा**

सर्वे शुरू किया गया था इसमें फिजिकल, कच्ची पर्चियां और कंप्यूटराइज रिकॉर्ड लिया गया है। कितने की टैक्स चोरी है, इस संबंध में फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। रिकॉर्ड की छानबीन पूरी होने के बाद ही टैक्स चोरी का आंकड़ा सामने आएगा। इसमें दो दर्जन से ज्यादा अधिकारी टेलर्स के शोरूम व गोदाम पर पहुंचे थे। जिनमें डिप्टी कमिश्नर, असिस्टेंट कमिश्नर और कमर्शियल टैक्स ऑफिसर (सीटीओ) शामिल थे। जीएसटी कार्रवाई के पहले टीम ने फील्ड से तथ्य एकत्रित किए। इसके बाद ही रिकॉर्ड को तलब किया है। इसमें कच्ची पर्ची से बेचा गया माल व कच्चा माल खरीद और बेचान को भी कैलकुलेट किया जा रहा है। ज्ञात रहे कि टेलरिंग का कार्य भी सर्विस की श्रेणी में आता है। ऐसे में इस पर भी जीएसटी बनता है। इसके अलावा यह टेलर्स भी कच्चा माल और कपड़ा खरीद कर लाते हैं इन्हें सिलकर सीधा ग्राहकों को सेल किया जाता है। इसमें जीएसटी की टीम को शक है कि कुछ माल बिना बिल के लिए खरीदे जा रहे हैं। इसके अलावा कुछ टेलर्स में बड़ी संख्या में कपड़े सिलने पर सिक्के गिफ्ट करने की भी स्कीम चलाई हुई है। इस पर भी निगरानी जीएसटी की टीम कर रही है।

कोटा के तीन निजी स्कूलों की सीबीएसई ने मान्यता रद्द की

सीबीएसई की टीम ने सितंबर में राजस्थान और दिल्ली में कई स्कूलों में औचक निरीक्षण किए थे

कोटा, (निसं) सीबीएसई के द्वारा कोटा के तीन निजी स्कूलों की मान्यता रद्द कर दी गई है। सीबीएसई की टीम ने सितंबर में राजस्थान और दिल्ली में कई स्कूलों में औचक निरीक्षण किए थे। इस दौरान बोर्ड से संबद्ध 27 स्कूलों में कई तरह की खामियां पाई गई थी। इनमें 22 स्कूल दिल्ली और 5 स्कूल राजस्थान के शामिल हैं।

राजस्थान के स्कूलों में दो स्कूल सीकर जिले और तीन स्कूल कोटा जिले में स्थित हैं। कोटा के ये स्कूल है शिव ज्योति कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एलबीएस कन्वेंट स्कूल और लॉर्ड बुद्धा पब्लिक स्कूल। इन स्कूल के संचालकों का कहना है कि इसको लेकर बच्चों को या अभिभावकों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। इस विषय पर लगातार कार्य किया जा रहा है। सितंबर में हुए इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि स्कूल बोर्ड के संबद्धता और परीक्षा उपनियमों के अनुसार छात्रों की नियमित उपस्थिति के मानदंडों का पालन कर रहे हैं या नहीं। निरीक्षण के दौरान सीबीएसई के अधिकारियों को बड़ी संख्या में इन

- **बोर्ड से संबद्ध 27 स्कूलों में कई तरह की खामियां पाई गई थी, इनमें 22 स्कूल दिल्ली और 5 स्कूल राजस्थान के शामिल हैं**
- **राजस्थान के स्कूलों में दो स्कूल सीकर और तीन स्कूल कोटा जिले के हैं कोटा के ये स्कूल है शिव ज्योति कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एलबीएस कन्वेंट स्कूल और लॉर्ड बुद्धा पब्लिक स्कूल है**

स्कूलों में छात्र अनुपस्थित मिले। इतना ही नहीं कक्षा 9वीं और 12वीं में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अनुपस्थित रहने के कारण 21 विद्यालयों की मान्यता रद्द कर दी गई। इससे पहले स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी करके जवाब देने के लिए 30 दिन का समय दिया गया था। सीबीएसई द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति वाले अग्रणी राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड के रूप में, लंबे समय से शैक्षिक सुधारों को आगे बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसलिए बच्चों की बिना उपस्थिति के सिर्फ कागजों में स्कूल चलाने के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर रहे हैं। जिससे आगे इस तरह के स्कूल चलाने वालों को कड़ा संदेश दिया जा सके।

बोर्ड यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करेगा कि स्कूल वैध और नैतिक शैक्षिक प्रथाओं का पालन करें। इसलिए छह स्कूलों को सीनियर सेकेंडरी से सेकेंडरी स्कूल के रूप में डाउनग्रेड करने की भी कार्रवाई की गई है। सीबीएसई द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह निरीक्षण सितंबर माह में किए गए थे। बोर्ड द्वारा स्कूलों द्वारा प्रस्तुत उत्तरों की विस्तार से जांच की गई। लेकिन स्कूलों के जवाब से बोर्ड संतुष्ट नहीं हुआ और मान्यता रद्द करने की कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झुंझुनूं उपचुनाव के संबंध में बैठक ली

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झुंझुनूं उपचुनाव की तैयारियों के संबंध में बुधवार को भाजपा नेताओं की बैठक ली। उन्होंने कहा कि हम दिखावे के बिना निरंतर जन कल्याण के कार्य करते हैं। प्रदेश में 10 माह पहले हमारी सरकार बनी थी, तब से अब तक सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बिना किसी भेद-भाव के विकास की गंगा बहाई है। उपचुनाव वाले क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी ने उसके राज में वहां की जनता को विकास से वंचित रखा था। कांग्रेस राज में तो सिर्फ माफियाओं और घोटालेबाजों ने लूट मचा रखी थी। अब जनता कांग्रेस पार्टी को वोट से वंचित रखकर सबक

- **उपचुनावों में भाजपा को मिलेगा विकास के नाम पर वोट : सीएम भजनलाल**

सिखाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 महीने के छोटे समय में विकास के ऐतिहासिक काम किए हैं, जिससे कांग्रेस की नींव हिल चुकी है और जनता का हमारी सरकार पर विश्वास दृढ़ हुआ है। इसलिए विधानसभा उपचुनाव में इस बार कांग्रेस के जातिवाद के एजेण्डे पर भाजपा सरकार का विकास का एजेण्डा भारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेपर लीक जैसे मामलों में युवाओं को न्याय दिलाने के लिए एसआईटी ने कार्रवाई करते हुए 190 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार संकल्पित है। हमने 90 हजार पदों पर भर्तियों का मार्ग प्रशस्त किया है, इससे प्रदेश के युवाओं में रोजगार पाने की उम्मीद की किरण जागी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मुद्दों पर कांग्रेस वर्षों तक राजनीति करती रही है, उन मुद्दों पर हमारी डबल इंजन सरकार समझौते कर तेजी से उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। इसलिए भाजपा को इन उपचुनावों में विकास के नाम पर वोट मिलेगा व ऐतिहासिक जीत होगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के एमओयू को धरातल पर लाने के लिए हमारी सरकार पूरी तरह समर्पित होकर कार्य कर रही है। ये निवेश राजस्थान को विकसित राजस्थान बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। बैठक में सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजौर, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, विधायक विक्रम जाखल, अंशुमन भाटी, पूर्व जिलाध्यक्ष दशरथसिंह शेखावत, भाजपा नेता रणवीर गुढा, राजीवसिंह, कुबेर सिंह आदि उपस्थित रहे।

शॉर्ट सर्किट से आग लगी

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के हाउसिंग बोर्ड रामदेव चौक में बुधवार देर शाम छह बजे एक मकान में शॉट सर्किट से आग लग गई। आग लगने के दौरान मकान में महिला और बच्चे मौजूद थे। उन्होंने घर से बाहर निकल अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। जानकारी अनुसान हाउसिंग निवासी करुणा पंड्या के मकान में शॉट सर्किट से आग लग गई। आग से मकान में काला धूआं फैलने लगा। मकान में मौजूद किरायादार झालावाड़ा निवासी कपिल शर्मा का परिवार मौजूद था, जो समय रहते घर के बाहर निकलने से बड़ा हादसा होने से टल गया। सूचान मिलने पर मौके पर पहुंची नगर परिषद की फायर बिग्रेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया।

साक्षात्कार का तृतीय चरण 25 से

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा- 2023 के अन्तर्गत हिंदी विषय के 214 पदों के लिए तृतीय चरण के साक्षात्कार का आयोजन 25 से 29 नवंबर 2024 तक किया जाएगा। आयोग की संयुक्त सचिव ऋषिबाला श्रीमाली ने बताया कि अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण-पत्र मय फोटो प्रति साथ अवश्य लाएं अन्यथा साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा।

डोडा-पोस्त जब्त

टोंक, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम द्वारा नशे के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 40 हजार का अवैध डोडा-पोस्त जप्त किया।

थाना प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि मुखबिर से सूचना पर थाना क्षेत्र के मालुणी गाँव निवासी महेन्द्र पुत्र नारायण जाट जो डोडा बेचता है की सूचना मिली। जिस पर टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए निवास स्थल पंहुचे, जहां आरोपी पहले ही भनक मिलने से वह मौके से फरार हो गया।

भारत और राजस्थान में महिलाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं : देवनानी

सिडनी (आस्ट्रेलिया) में आयोजित राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिरकत की

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत और राजस्थान में महिलाएँ पूरी तरह से सुरक्षित है। भारत और राजस्थान में महिलाओं की सुदृढता के लिये अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही है। केन्द्र एवं राजस्थान राज्य की सरकार महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के भेदभाव और हिंसा को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

देवनानी ने कहा कि भारत में प्रभावी कानून और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केन्द्र व राज्यों में महिलाओं की सुदृढता के लिए चलाई जा रही योजनाओं से लिंग आधारित हिंसा को खत्म करने और भेदभाव का मुकाबला करने के साथ महिलाओं की सुरक्षा के लिए सम्पूर्ण राष्ट्र में नया वातावरण बना है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार को सिडनी (आस्ट्रेलिया) में आयोजित राष्ट्र

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी।

मण्डल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने भेदभावपूर्ण कानून का मुकाबला-लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ 365 की सक्रियता, संसदीय प्रक्रियाओं और परम्पराओं में कृत्रिम बुद्धिमता के उपयोग अवसर और चुनौतियां तथा बैंचमार्किंग, मानक और दिशानिर्देश-सर्वोत्तम परम्पराओं को अपनाने के माध्यम से संसद को मजबूत बनाने के विषयो पर सम्मेलन को संबोधित किया। देवनानी ने कहा कि भारत और राजस्थान लिंग आधारित भेदभाव समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए केन्द्र और राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए चलाई जा रही योजनाओं में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है। सुरक्षित राष्ट्र और सुरक्षित राजस्थान के लिये केन्द्र व राजस्थान सरकार प्रत्येक दिन नये सिरे से नई परिस्थितियों के अनुरूप नई योजनाओं के साथ नये सिरे से महिला सुरक्षा का वातावरण बनाने का सफल प्रयास कर रही है। अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि एक सुरक्षित दुनिया प्रदान करने वाले सम्मेलनों के प्रति सभी राष्ट्र और राज्यों को अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करना होगा ताकि महिलाओं को पुरुषों के साथ समानता से वंचित नहीं किया जा सके और अपराधियों के प्रति अधिकारियों की जवाबदेहता सुनिश्चित हो सके। इसके लिये सभी को एकजुट होकर भेदभावपूर्ण लिंग आधारित हिंसा को रोकने के लिए सक्रिय भागीदारी निभानी होगी।

देवनानी ने राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के सम्मेलन में दिये अपने सम्बोधन में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता से विधायी मण्डलों को नियमित कार्यों को सुचालित करने और जटिल डेटा के विश्लेषण करने के नये अवसर मिले हैं। राजस्थान विधानसभा में सदन की कार्यवाही का सजीव प्रसारण किया जा रहा है। ई-विधान के माध्यम से विधान सभा की सभी प्रक्रियाओं को डिजिटलीकरण किया जा रहा है। इससे विधानसभा के सभी कार्य पेपर लैस हो जायेंगे। विधायी मण्डलों के लिये यह नवाचार है।

कपड़े धोने गई महिला की कुएं में डूबने से मौत

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना क्षेत्र के मांडेला उपली गांव में कुएं में डूबने से एक महिला की मौत हो गई। महिला कुएं पर कपड़े धोने गई थी। पैर फिसलने से हादसा होना सामने आया है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं, मामले की जांच शुरू कर दी है।

चौरासी थाने के हैड कॉन्स्टेबल ईश्वरलाल ने बताया कि मांडेला उपली निवासी बदा कटारा ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि कल शाम उसकी भाभी अम्बाड़ी कटारा कपड़े धोने के लिए कुएं पर गई थी, जो रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। सुबह परिजनों ने फिर से उसकी तलाश की तो खेत में कुएं के पास अम्बाड़ी की चप्पल पड़ी हुई थी। परिजनों को कुएं में गिरने की आशंका हुई, जिस पर परिजनों ने कुएं में महिला की तलाश की और शव मिलने पर उसे बाहर निकाला। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया, जहां पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुजरात नंबर की कार से 14 लाख की नगदी मिली

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा थाना पुलिस ने एक गुजरात नंबर की कार से 14 लाख रुपए का कैश बरामद किया है। एक बैग में कैश भरा हुआ था। माहीपुल पर पुलिस ने नाकेबंदी कर कार से कैश पकड़ा है। पुलिस ने कार ड्राइवर करण सिंह को डिटेन किया है।

सागवाड़ा थानाधिकारी प्रभुलाल ने बताया कि चौरासी विधानसभा उपचुनावों को लेकर जिले में आचार संहिता लागू है। इसके तहत जिले के सभी बॉर्डर पर नाकाबंदी कर गाड़ियों की तलाशी ली जा रही है। इसके तहत सागवाड़ा थानाधिकारी प्रभुलाल, हेड कॉन्स्टेबल मयदीप सिंह, गजेंद्र सिंह, कॉन्स्टेबल लोकेंद्र सिंह, रोहित सिंह, आसूचना अधिकारी घनश्याम सिंह, दीपक और हितेश की टीम ने बांसवाड़ा-डूंगरपुर के माही पुल पर नाकाबंदी कर गाड़ियों की तलाशी ली। इस दौरान गुजरात की ओर से आ रही एक गुजरात नंबर की कार को रूकवाया। कार चालक करण सिंह (34) पुत्र डूलेसिंह राव निवासी डेयाना थाना गढ़ी बांसवाड़ा घबरा गया। पुलिस ने कार की तलाशी ली। कार में एक बैग में भारी कैश भरा हुआ था। कैश ले जाने का कोई डॉक्यूमेंट नहीं मिला। इस ओर पुलिस ने कैश जब्त कर गिनती की है, जिस पर 14 लाख कैश पाया।

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)

पता :- सी0ए0डी0 सर्किल, दशहरा ग्राउण्ड, कोटा

ई-मेल :- nnksouth@gmail.com, website: www.kotamc.org

क्रमांक :- ननिकोद/गौशाला/2024/12359-70 दिनांक :- 05.11.2024

ई-बिड सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, कोटा दक्षिण की गौशाला बंधा धर्मपुरा एवं कायन हाउस किशोरपुरा में कपासिया खल (बिनौला) आपूर्ति कार्य हेतु अनुमानित व्यय 25 लाख रूपये की ई-बिड आमन्त्रित की जाती है। निविदा में भाग लेने हेतु अमानत राशि जरिये डीडी/पे-ऑर्डर द्वारा प्राप्त की जावेगी। ई-बिड सूचना निगम वेबसाइट www.kotamc.org /www.sppp.rajasthan.gov.in / eproc.rajasthan.gov.in पर देखी तथा बिड प्रपत्र भी डाउनलोड किये जा सकते है और eproc.rajashthan.gov.in पर ऑनलाईन ई-बिड अपलोड/सबमिट की जा सकती है एवं कमरा नम्बर 416 में बिड शुल्क/अमानत राशि/एम.डी.,आर.आई.एस.एल शुल्क जमा किये जा सकते है। नियत समय तक प्राप्त ई-बिड की तकनीकी बिड को दिनांक 20.11.2024 को सायं 5:00 बजे ऑनलाईन खोला जावेगा।

NIB Code – DLB2425A3704

UBN No. - DLB2425GLOB 11530

उपायुक्त गौशाला

नगर निगम, कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/24/7379

अधिक ब्याज के लालच में करोड़ों रुपए हड़पे

अजमेर, (कासं)। ब्याज के लालच में अजमेर के परिवार सहित कई लोगों के 4.54 करोड़ रुपए गवां दिए। पाली निवासी जितेंद्र सिंह चारण ने एस्ट्रिम टोकन कंपनी में 15 प्रतिशत ब्याज का झांसा देकर बड़ल्या निवासी रतन सिंह रावत को कंपनी का प्रतिनिधि बनाया। चारण के झांसे में आकर रतन ने स्वयं सहित परिवार के अन्य सदस्यों के रुपए कंपनी में निवेश करवा दिए, लेकिन कुछ समय बाद शातिर युवक फरार हो गया। आदर्श नगर थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच में जुटी है।

आदर्श नगर थाने के एएसआई भूरी सिंह ने बताया कि जेएम-4 न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया है। बड़ल्या निवासी रतन सिंह ने अदालत में दायर इस्तगासे में बताया कि पाली के रहने वाले जितेंद्र सिंह के वे संपर्क में आया और उसने कंपनी में निवेश के नाम पर भारी मुनाफे का लालच दिखाया। जितेंद्र ने उसे बताया कि उनकी कंपनी भारत सहित बर्मा, नेपाल और भूटान में भी काम कर रही है। ऐसे में उसका विश्वास और गहरा हो गया और उसने स्वयं सहित अन्य परिजन से भारी निवेश करा दिया। कंपनी ने चेन सिस्टम के आधार पर लोगों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया, जिससे कई और भोले-भाले लोग उसके झांसे में आ गए। लोगों ने जब रुपए का तकाजा किया तो शातिर जितेंद्र सिंह चरण फरार हो गया। पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी भाजपा युवा सम्मेलन में पहुंची

जयपुर। रामगढ़ में बुधवार को राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी गोविंदगढ़ पहुंची जहां पर उन्होंने भाजपा के कार्यालय का उद्घाटन किया। उसके बाद वह रामगढ़ के एक निजी मैरिज होम में आयोजित भाजपा के युवा सम्मेलन में पहुंची जहां पर उन्होंने राजस्थान सरकार के द्वारा पिछले आठ माह में कराए गए विकास कार्य को जनता के बीच रखा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं अखबारों में देख रही थी कि कांग्रेस के प्रत्याशी के खिलाफ धोखाधड़ी के दो मामले दर्ज मुझे रामगढ़ की जनता बताएं कि जो व्यक्ति चुनाव से पहले ही लोगों के साथ धोखा कर चुका है क्या वह जनता के साथ धोखा नहीं करेगा? वहीं हमारे सुखवंत सिंह को लेकर हम सुनते हैं कि वह सज्जन आदमी हैं, अब आप लोगों को तय करना है कि आप सज्जन को अपना विधानसभा का साथी चुनोगे या फिर धोखेबाज इंसान को।

समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़ रही सुमन नाजुक ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के सामने भाजपा को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि मैं नरेंद्र मोदी के विचारधारा से प्रभावित हूं इसलिए मैं भाजपा को समर्थन दे रही हूं। युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें उसे पार्टी का साथ देना है जो देश का साथ दे रही है। सलूंबर विधानसभा के डगार गांव में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत एवं सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर डालचंद डांगी उदयपुर शहर भाजपा जिला महामंत्री गजपाल सिंह राठौड़ पूर्व आसपुर विधायक गोपीचंद मीणा पूर्व महापौर रजनी डांगी ने चुनावी जनसभा को संबोधित किया।

वहीं खीवसर विधानसभा में भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश रावत, प्रदेश महामंत्री व विधायक जितेंद्र गोठवाल ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। मंत्री सुरेश रावत ने बताया कि मैं प्रभारी के नाते यहाँ पर काम कर रा हूँ , गाँव गाँव ढाणी ढाणी घूम रहा हूँ। यहाँ के लोग का मत स्पष्ट है कि एक तरफ़ भाजपा की सरकार विकास के नाम पर चुनाव लड़ रही है। जितेन्द्र गोठवाल ने बताया कि अगर भारतीय जनता पार्टी का उम्मीदवार जीतेगा तो विकास में कोई कमी नहीं रहेगी और खींवसर में चहुमुखी विकास होगा। झुझुनूँ में आज चनाना, भुकाना व गोवला ग्रामपंचायतों के संयुक्त जनसंपर्क कार्यक्रम में पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भाम्भू के समर्थन प्रचार किया और कार्यकर्त्ताओं का मनोबल बढ़ाया। चौरासी विधानसभा में कुआं मंडल के मेगांव कुआं में जनसंपर्क के दौरान भाजपा प्रत्याशी कारीलाल ने कहा कि गांववासियों के स्नेह और समर्थन ने हमारी उम्मीदों को एक नई दिशा मिल रही है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक-एफ( )/निविदा/2024-25/1145 दिनांक-29.10.2024

NOTICE INVITING BID

NIT NO. 14-23/2024-25

Bids for NRM & Production Works Under MJSA-2 and PMKSY 2.0 project area in Jalore and Sanchore of estimated Value INR 1391.84 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 19.11.2024, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://Sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB NO.	UBN NO.
NIT-14/2024-25, MJSA-2	Rooftop, Tanka with Agor, Farm Pond and Khadin (Raniwara)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00599
NIT-15/2024-25, MJSA-2	Tanka, Farm Pond and Khadin (Sarnau)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00600
NIT-16/2024-25, MJSA-2	Khadin with Pakka Waist Wair (Ahore)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00601
NIT-17/2024-25, MJSA-2	Rooftop Tanka and Tanka with Agor (Sayla)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00602
NIT-18/2024-25, PMKSY-2	Cattleshed (Jaswantpura)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00603
NIT-19/2024-25, PMKSY-2	Cattleshed (Chitalwana)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00604
NIT-20/2024-25, PMKSY-2	Cattleshed (Sanchore)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00605
NIT-21/2024-25, PMKSY-2	Tanks (Sanchore)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00606
NIT-22/2024-25, PMKSY-2	Tanks (Chitalwana)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00607
NIT-23/2024-25, PMKSY-2	Tanks (Chitalwana)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00608

(Arun Kumar Ameta)
SE & PMWCDC, ZILA PARISHAD, JALORE
DDO CODE NO. 28606

DIPR/C/10852/2024

एजुकेशन प्री-समिट में हुए 28 हजार करोड़ के 507 एम.ओ.यू. : भजनलाल शर्मा

- उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल एवं उद्यिमता विभाग तथा खेल एवं युवा मामलात के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा आयोजन
- नए शैक्षिक दृष्टिकोण, डिजिटल लर्निंग और रोजगारोन्मुखी कौशल एजुकेशन के साथ शिक्षा के क्षेत्र में निवेश पर होगा गहन मंथन

एजुकेशन प्री समिट कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, कौशल नियोजन उद्यमिता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मौजूद रहे।

जयपुर। कभी मरूभूमि के रूप में पहचान रखने वाला हमारा राजस्थान निरंतर प्रगति, समृद्धि और उन्नित के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास और जनता के हितोतार्थ राइजिंग राजस्थान जैसा ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व आयोजन आयोजित होने जा रहा है। इससे पूर्व प्रदेश की शिक्षा में नवनिर्माण का मार्ग प्रशस्त करने, सकारात्मक परिवर्तन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न उद्देश्यों को साकार करने और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की दिशा में 6 नवंबर को होटल इंटरकॉन्टिनेंटल, टोंक रोड, जयपुर में एजुकेशन प्री-समिट 2024 का आयोजन किया गया। उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल एवं उद्यिमता विभाग तथा खेल एवं युवा मामलात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह सम्मेलन न केवल शिक्षा क्षेत्र के भामाशाह, दानदाता, और हितधारकों को एक साथ लाएगा, बल्कि शिक्षा के भविष्य के विकास हेतु रणनीतियों और नवाचारों पर विचार-विमर्श का एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, कौशल नियोजन उद्यिमता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा विकास का मुख्य आधार होती है, शिक्षा में किया गया छोटा निवेश भी बड़ा प्रभाव लाता है। वह सबसे अहम होता है। उन्होने बताया कि प्री-समिट में 28 हजार करोड़ के 507 एमओयू किए गए हैं, जो शिक्षा, तकनीकी-उच्च शिक्षा, कौशल विकास व खेल में विकास की नई राह खोलेंगे। राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और हालांकि हमारे पास तैयारी के लिए सीमित समय था, लेकिन हम आपके सहयोग से इन पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में सक्षम होंगे। हम 6 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। चाहे खनन हो, स्वास्थ्य हो या ऊर्जा, सभी क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 राजस्थान के लिए आर्थिक विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगा।" मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के कुशल नेतृत्व में हो रही इस प्री समिट का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल, ई-लर्निंग, डिजिटल शिक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नए शैक्षिक दृष्टिकोण, कौशल विकास की सहायता से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने के प्रयास, नवाचार और भविष्य की संभावनाओं के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर उच्च-स्तरीय मंथन करना है। यह समिट राज्य की राजकीय शिक्षा में सुधार और उन्नति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके बाद शिक्षा में नवनिर्माण का नया युग प्रारंभ होना सुनिश्चित किया जाने की उम्मीद है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में राजस्थान प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मुझे खुशी है कि इस आयोजन का उद्देश्य आर्थिक सहयोग नहीं बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि अपनी माटी से जुड़ने के लिए मैं राजस्थान के लोगों का, निवेशकों, भामाशाहों, दानदाताओं का आभार प्रकट करता हूं। शिक्षा जीवन की नींव होती है, जो भी मंजिलें तय की जाएंगी, यह उनका आधार होगी। हम शिक्षा के साथ संस्कार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कौशल नियोजन उद्यिमता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि शिक्षा डिग्री के लिए नहीं जीवन के लिए होनी चाहिए। खेल अनुशासन, आत्मविश्वास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राजस्थान सरकार का ध्येय है कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को केवल राज्य स्तर पर ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। इन उद्देश्यों की परिपूर्णता हेतु इस वृहत आयोजन में शिक्षा क्षेत्र के विशिष्ट नीति विशेषज्ञ, शिक्षाविद, उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियां, भामाशाह, दानदाता और प्रदेश की शिक्षा को नई दिशा देने वाले विशेषजन शामिल हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के भविष्य का राजस्थान विजन को साकार करने के तीव्र प्रयास राजस्थान सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। एजुकेशन प्री-समिट इसी स्वर्णीम यात्रा का एक अहम पड़ाव है। इस पड़ाव में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा , कैबिनेट मिनिस्टर कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ , उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर सहित निवेशक एवं अधिकारी मौजूद रहे।

देवली-उनियारा, झुंझुनूं और खींवसर में त्रिकोणीय संघर्ष

बिगड़ रहे पार्टियों के समीकरण

- नरेश मीणा और राजेंद्र गुढ़ा ने कांग्रेस का संकट बढ़ाया, खींवसर में हनुमान बेनीवाल की कड़ी परीक्षा
- दौसा में पायलट, मुरारी और किरोड़ी की प्रतिष्ठा का चुनाव, सलूंबर में भाजपा तो रामगढ़ में कांग्रेस सहानुभूति के सहारे

जयपुर। राजस्थान में हो रहे उपचुनाव में देवली और दौसा के अलावा झुंझुनू और खींवसर विधानसभा सीट के उपचुनाव में सबसे ज्यादा रोमांच पैदा हुआ है। दरअसल इन सीटों पर बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा तो दाव पर लगी ही है। साथ ही इन सीटों के त्रिकोणीय मुकाबले ने भी चुनाव को काफी रोचक बना दिया है और यही कारण है कि रामगढ़, सलूंबर और चौरासी की जितनी चर्चा नहीं हो रही, उतनी इन चार सीटों की चर्चा हो रही है। सलूंबर में भाजपा और रामगढ़ में कांग्रेस सहानुभूति के आधार पर अपनी जीत के दावे कर रही है। वही चौरासी में बाप अपनी परंपरागत सीट को बरकरार रखने के लिए पूरी तरह से जुटी हुई है। वैसे उपचुनाव के परिणाम कुछ भी हो लेकिन यह तय है कि कांग्रेस के लिए यह उपचुनाव घाटे का सौदा साबित होंगे।

जहां तक सबसे रोमांचक मुकाबले की बात करें, तो वह देवली उनियारा में नजर आ रहा है, जहां कांग्रेस का टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय के तौर पर ताल ठोकने वाले नरेश मीणा ने कांग्रेस के लिए बड़ी मुसीबत पैदा कर दी है। वहीं भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र गुर्जर को भी कड़ा प्रयास करना पड़ रहा है। दरअसल नरेश मीणा के साथ में युवाओं की भारी भीड़ जुटने की वजह से दोनों पार्टियां परेशानी में है और नरेश मीणा ने बिना किसी बड़े नेता के साथ हुए बिना भी देवली उनियारा में अपना प्रभाव दिखा रहे है। वहीं भाजपा से कांग्रेस में आए बिना ही के सी मीणा को टिकट दिए जाने पर स्थानीय कांग्रेसजन उम्मीदवार को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। इधर खींवसर सीट पर इस बार हनुमान बेनीवाल की कड़ी परीक्षा हो रही है। जहां उन्होंने अपनी पत्नी कनिका बेनीवाल को आरएलपी का उम्मीदवार बनाया है। वहीं भाजपा ने एक बार फिर रेवंत राम डागा को मौका दिया है, जो 2023 का चुनाव 2000 वोटो से हारे थे। वहीं कांग्रेस ने भी गठबंधन टूटने के बाद रतन चौधरी को मैदान में उतारा है। ऐसे में यहां त्रिकोणीय मुकाबले में एक-एक वोट का महत्व बढ़ गया है और सिर्फ हनुमान बेनीवाल नहीं, बल्कि पूरी आरएलपी पार्टी की प्रतिष्ठा दाव पर लगी है।

जहां तक दौसा की बात करें, तो यहां डॉ किरोडी लाल मीणा के भाई जगमोहन भाजपा के उम्मीदवार हैं। ऐसे में यहां पूरा चुनाव डॉ किरोडी लाल मीणा के कंधे पर है। दूसरी ओर कांग्रेस में उम्मीदवार डीसी बैरवा के चलते सचिन पायलट और सांसद मुरारी लाल मीणा की प्रतिष्ठा दाव पर लगी है। यहां जातीय समीकरण भाजपा के पक्ष में नजर आ रहे हैं और कुछ वोटो का इधर से उधर होना परिणाम को बदल सकता है। ऐसे में यहां का चुनाव भी काफी रोमांच भरा नजर आ रहा है। झुंझुनू में कांग्रेस में फिर ओला परिवार से उम्मीदवार आने से एक चर्चा चल पड़ी है कि क्या कांग्रेस ओला परिवार के बाहर भी निकलेगी। इस बात का कहीं ना कहीं पार्टी को नुकसान होता दिख रहा है। वहीं भाजपा ने एक बार फिर राजेंद्र भांभू पर विश्वास जताया है। साथ ही इस बार भाजपा में झुंझुनू में बगावत नहीं है। बबलू चौधरी का नामांकन वापस करवाकर भाजपा ने खुद को मुकाबले में खड़ा कर दिया है। कांग्रेस के लिए पूर्व मंत्री और निर्दलीय उम्मीदवार राजेंद्र गुढ़ा ने परेशानी खड़ी कर दी है। मुस्लिम और अनुसूचित जाति के वोटरों में राजेंद्र गुढ़ा की घुसपैठ कांग्रेस के लिए बड़ा सिरदर्द साबित होती लग रही है। यदि राजेंद्र गुढ़ा के साथ आ रही भीड़ वोटो में तब्दील हो गई, तो कांग्रेस को झुंझुनू में बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

सी.एम. को मिली अग्रिम जमानत रद्द कराने के लिए पेश प्रार्थना पत्र खारिज

जयपुर। जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 ने गोपालगढ़ दंगा प्रकरण में सीएम भजनलाल शर्मा को मिली अग्रिम जमानत को रद्द कराने के लिए पेश प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। सांवरमल चौधरी ने अग्रिम जमानत की शर्त की अवहेलना कर अदालत की अनुमति के बिना विदेश जाने का आरोप लगाते हुए यह प्रार्थना पत्र पेश किया था।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण में यह साबित नहीं है कि मामले में प्रार्थी का कोई हित जुड़ा हो या वह एफआईआर दर्ज कराने वाला हो। वह न तो मामले में पीड़ित है और ना ही उसे किसी प्रकार का नुकसान या उसका हित प्रभावित हुआ है। ऐसे में उसे प्रार्थना पत्र पेश करने का अधिकार नहीं है। इसलिए प्रार्थना पत्र को खारिज किया जाता है।

प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि गोपालगढ़ दंगा प्रकरण में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज कर कई साल पहले आरोप पत्र पेश कर दिया है। इस एफआईआर में भजनलाल शर्मा ने अग्रिम जमानत के लिए अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र पेश किया था। जिसे अदालत ने 10 सितंबर, 2013 को स्वीकार कर सशर्त अग्रिम जमानत दी थी। अग्रिम जमानत आदेश में शर्त लगाई गई थी कि भजनलाल बिना अदालत की अनुमति देश से बाहर नहीं जाएंगे। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि भजनलाल शर्मा जमानत की शर्त की अवहेलना कर बिना अनुमति विदेश गए। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि भजनलाल अब प्रदेश के सीएम बन गए हैं और केन्द्र में भी भाजपा की सरकार है। अदालती आदेश की अवहेलना करने का तथ्य सामने लाने की जिम्मेदारी अभियोजन पक्ष की थी, लेकिन उनकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में अग्रिम जमानत को निरस्त कर उन्हें अभिरक्षा में लिया जाए। प्रार्थना पत्र का विरोध करते हुए सीएम की ओर से अधिवक्ता अश्विनी बोहरा ने कहा कि प्रार्थना पत्र दायर करने वाला निजी व्यक्ति है और उसके किसी अधिकार का हनन नहीं हुआ है। इसलिए प्रार्थना पत्र खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है।

दिव्यांग को चयन प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हिंदी विषय के असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2023 से जुडे मामले में दिव्यांग याचिकाकर्ता को चयन प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश गिरिजेश व्यास की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने कॉलेज शिक्षा के असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए गत वर्ष आवेदन मांगे थे। जिसमें याचिकाकर्ता ने दिव्यांग वर्ग की एलडी कैटेगरी में आवेदन किया। याचिकाकर्ता के पास बहु दिव्यांगता का प्रमाण पत्र है, जिसमें वह शरीर की दो दिव्यांगता से पीड़ित है।

'राइजिंग राजस्थान' समिट से पहले जयपुर परकोटे को निखारेगा हैरिटेज नगर निगम

आयुक्त अरूण कुमार हसीजा ने निगम अधिकारियों के साथ किया शहर में निरीक्षण

- आमेर, जलमहल, हवामहल, जय निवास उद्यान, पौंड्रिक पार्क और ताल कटोरा जैसे पर्यटन स्थलों की साफ-सफाई के लिए विशेष इंतजाम होंगे

हैरिटेज नगर निगम आयुक्त अरूण कुमार हसीजा ने बुधवार को अधिकारियों के साथ जयपुर परकोटा क्षेत्र में सफाई और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में 9 से 11 दिसंबर तक होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' इन्वेस्टमेंट समिट से पहले जयपुर परकोटे की साफ-सफाई और यहां रंग-रोगन करवाने का काम होगा। हैरिटेज निगम आयुक्त अरूण कुमार हसीजा ने बुधवार को समिट की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की और इसके बाद परकोटा क्षेत्र का दौरा कर हालात भी जांचे।

आयुक्त अरुण हसीजा ने अफसरों से कहा कि, राइजिंग राजस्थान समिट में देश-विदेश से आमंत्रित अतिथि जयपुर आएंगे। इन मेहमानों को जयपुर की सौंदर्यता दिखे और वे गुलाबीनगरी की सुंदर छवि लेकर अपने साथ लौंटे, इसी मंशा के साथ सभी लोग काम करें।

इसके लिए शहर की सफाई व्यवस्था सुधारें। विशेष तौर पर दिल्ली रोड, आमेर, जलमहल, हवामहल, जय निवास उद्यान, पौंड्रिक पार्क और ताल कटोरा जैसे पर्यटन स्थलों की सफाई व्यवस्था मजबूत की जाएं।

आयुक्त अरुण हसीजा ने सड़क की वाल पेंटिंग, सफाई व्यवस्था, रोड डिवाइडर पर पौधों की छंटाई के कार्य को भी समय पर पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने हैरिटेज निगम मुख्यालय में राइजिंग राजस्थान को लेकर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने के लिए कहा, जो कि 24 घंटे काम करेगा। इसके अलावा निगम की इंजीनियरिंग विंग को भी सड़क, डिवाइडर और जाली से संबंधित मरम्मत के कार्य समय पूर्व करने के निर्देश दिए। दिल्ली रोड पर सड़क पर अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस प्रशासन से साथ संयुक्त अभियान चलाने के लिए भी उपायुक्त सतर्कता शाखा को निर्देश दिया।

परकोटे में दुकानों के नामों में हों एकरूपता

आयुक्त अरुण हसीजा ने कहा कि जयपुर की विरासत और वैभव गुलाबी रंग से जुड़ी हुई है। ऐसे में विशेष तौर पर परकोटे के बाजारों में दुकानों का नाम नियम के अनुसार एक जैसा ही लिखा जाएं, जो कि सफेद पट्टी पर काले रंग से नाम लिखा जाता है। उन्होंने निगम अधिकारियों को सभी व्यापारियों से नियमानुसार दुकान का नाम लिखने की समझाइश के लिए भी कहा।

बैठक के तुरंत बाद आयुक्त ने क्षेत्र का दौरा भी किया। आयुक्त अरुण हसीजा ने चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, अजमेरी गेट, जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, सुभाष चौक, आमेर रोड, रामगढ़ मोड और जल महल का निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ जगहों पर गंदगी देख संबंधित अधिकारी को सख्त निर्देश देकर सफाई व्यवस्था मजबूत करने के लिए निर्देश दिए। जल महल की पाल पर टूटी टाइल को ठीक करने और सफाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र सिंह यादव, उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवन कुमार वर्मा, जोन उपायुक्त व अन्य निगम अधिकारी मौजूद रहे।

समिट के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को लेकर हैरिटेज निगम आयुक्त अरुण कुमार हसीजा ने नोडल अधिकारी नियुक्त किए है। सांगानेरी गेट से जौहरी बाजार, हवा महल तक निधि सिंह, हवा महल से जोरावर सिंह गेट तक सरिता मल्होत्रा, जोरावर सिंह गेट से जल महल, आमेर तक कविता चौधरी, अजमेरी गेट से सांगानेरी गेट तक जनार्दन शर्मा और आमेर फोर्ट से दिल्ली रोड और ट्रांसपोर्ट नगर तक युगांतर शर्मा को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार सड़क मरम्मत, सुधारीकरण, सौंदर्यीकरण और साफ सफाई जैसे कार्यों की व्यवस्था के लिए क्षेत्रवार नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

माइंस विभाग का "राइजिंग राजस्थान" प्री-समिट 8 नवंबर को होगा

-कार्यालय संवाददाता-

- निवेश एम.ओ.यू. के साथ ही प्रदेश के माइनिंग क्षेत्र के समग्र विकास पर होगा मंथन
- राजस्थान की अर्थव्यवस्था का मुख्य प्रेरक प्रदेश की खनिज संपदा थीम आधारित प्री-समिट
- खनन क्षेत्र के अब तक 70 हजार करोड़ से अधिक के एमओयू संपन्न
- समिट के दौरान प्रदर्शित होगी माइंस, पेट्रोलियम, सीजीडी गैस, रिफाइनरी से संबंधित ज्ञानवर्द्धक सामग्री

प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त ने बुधवार को खान विभाग के प्री समिट के आयोजन स्थल का निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल, जेएस आशु चौधरी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जायजा लिया।

जयपुर। माइंस एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त बताया कि 8 नवंबर को जयपुर में आयोजित माइंस व पेट्रोलियम सेक्टर के प्री समिट में माइनिंग सेक्टर के निवेश प्रस्तावों के एमओयू हस्ताक्षिरत होने के साथ ही खनिज खोज और खनन से जुड़े हुए ज्वलंत विषयों पर इस क्षेत्र से जुडे देश के जाने माने विशेषज्ञों के अनुभवों को साझा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही आयोजन स्थल पर छह स्टॉलों में राजस्थान के माइंस, पेट्रोलियम, सीजीडी गैस और रिफाइनरी से संबंधित ज्ञानवर्द्धक सामग्री भी प्रदर्शित की जाएगी। प्री समिट राजस्थान की अर्थव्यवस्था का मुख्य प्रेरक प्रदेश की खनिज संपदा थीम पर आधारित होगा।

प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त ने बुधवार को आयोजन स्थल होटल ललित का निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल, जेएस आशु चौधरी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि माइनिंग एवं पेट्रोलियम सेक्टर में रोड शो व अन्य आयोजनों में अब तक 70 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर एमओयू हस्ताक्षिरत हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि 8 नवंबर को आयोजित प्री समिट में भी बड़ी संख्या में एमओयू हस्ताक्षिरत होंगे।

टी. रविकान्त ने बताया कि माइनिंग सेक्टर के प्री समिट को अधिक उपयोगी व निवेशोन्मुखी बनाया जा रहा है। इस अवसर पर खनिज अन्वेषण, डाटा विष्लेषण, मशीन लर्निंग में आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस की भूमिका और मिनरल एक्सप्लोरेशन में जियो इंफोरमेटिक्स की भूमिका पर धनबाद और कानपुर आईआईटी के प्रोफेसर एसएस राय का विशेषज्ञ व्यक्तव्य और पर चर्चा होगी। इसी तरह से एक अन्य सत्र में डीप सीटेड बेस मेटल डिपोजिट्स लेड, जिंक, तांबा और संबंधित खनिजों पर अनिंध्य भट्टाचार्य उप महानिदेशक जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया विशेषज्ञ व्यक्तव्य देंगे और उस पर चर्चा होगी।

क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिज रेयर अर्थ एलिमेंट और प्लेटिनम गुरप ऑफ एलिमेंट्स पर चर्चा का एक सत्र रखा गया है जिसमें सीएमडी इंडियन रेयर अर्थ डॉ. दीपेन्द्र सिंह, रिटायर्ड प्रोफेसर एमके पण्डित, शैलेन्द्र शर्मा क्षेत्रीय निदेशक एएमडी, जीएसआई से संजय सिंह, एनपीईए के निदेशक डॉ. येरी स्वामी पाटिल पेनलिस्ट होंगे तो इस सत्र को निदेशक जीएसआई हरीश मिस्त्री मॉडरेट करेंगे। इसी तरह से खनिज संसाधन वृद्धि में खनन कंपनियोंऔर निजी अन्वेषण संस्थाओं की भूमिका पर मंथन होगा। इस सत्र में सीएमडी एचसीएल घनश्याम शर्मा, एनपीईए के निदेशक डॉ. चेन्नामल्लिकार्जुन बी पाटिल, हिन्दुस्तान जिंक के निदेशक एक्सप्लोरेशन कुलदीप सिंह सौलंकी, माइनिंग टेक्निकल इजिप्ट के प्रमुख मुस्तफा साबेर पेनलिस्ट होंगे और एसके मिण्डा मॉडरेटर होंगे।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि समिट में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को राजस्थान के खनिज व खनिज से जुड़ी जानकारियों से रुबरु कराने के लिए छह स्टॉल्स लगाई जाएगी। इनमें प्रदेश की खनिज, पेट्रोलियम, सीजीडी आदि से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों का समावेष करते हुए खान विभाग, राजस्थान माइंस एवं मिनरल्स लि. आरएसएमएम, सीडॉस, एचआरआरएल राजस्थान रिफाइनरी, राजस्थान स्टेट गैस लि. व राजस्थान पेट्रोलियम की स्टॉल्स में ज्ञानवर्द्धक सामग्री प्रदर्शित की जाएगी।

निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि राइजिंग राजस्थान प्री समिट की आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने प्रभारी अधिकारियों से प्रगति की जानकारी भी ली।

इस अवसर पर नोडल अधिकारी बीएस सोढ़ा, अतिरिक्त निदेशक पेट्रोलियम अजय शर्मा, एमडी आरएसजीएल रणवीर सिंह, एसएमई जय गुरुबख्सानी, एनएस शक्तावत, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी संजय दुबे, संजय सक्सैना, डीजीएम आरएसजीएल विवेक श्रीवास्तव, डीएम आईटी गगनदीप राजोरिया सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मेडिकल कॉलेज की याचिका खारिज

- एमबीबीएस की सीटें कम करने को दी थी चुनौती

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आकस्मिक जांच में संसाधनों की कमियां पाए जाने पर मेडिकल कॉलेज की एम.बी.बी.एस. की सीटें कम करने के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश इंडियन मिशन ऑफ मेडिकल साइंसेज सोसायटी, कोटा और सुधा मेडिकल कॉलेज, झालावाड की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के डीन ने अपील के निर्णय के दौरान सौ सीटों पर प्रवेश के साथ कॉलेज की स्थापना को स्वीकार किया था। ऐसे में याचिकाकर्ता एस्टोपल के सिद्धांत से बंधा हुआ है।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने मेडिकल कॉलेज के लिए आवेदन किया था। इस पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रारंभिक जांच के बाद 24 मार्च, 2023 को पत्र जारी कर याचिकाकर्ता को तीन शैक्षिणक सत्रों के लिए 150 सीटों की क्षमता वाले मेडिकल कॉलेज की स्थापना की अनुमति जारी कर दी। इसके बाद याचिकाकर्ता ने सभी औपचारिकताएं पूरी कर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्धता और मान्यता के लिए आवेदन किया। आरयूएचएस ने भी 9 अप्रैल, 2023 को उसे अनुमति दे दी। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने कॉलेज स्थापना के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन के समक्ष अनुमति के लिए आवेदन किया। इस पर पर राष्ट्रीय चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड ने कुछ कमियां बताते हुए याचिकाकर्ता को गत तीन अप्रैल को नोटिस दिया। जिसका याचिकाकर्ता ने जवाब दे दिया। याचिका में कहा गया कि बोर्ड ने आकस्मिक निरीक्षण कर संस्थान में संसाधनों और फैकल्टी की कमी बताकर गत 4 जुलाई को 150 सीटों को घटाकर सौ सीटें कर दी।

जयपुर डेयरी ने शुरू की 'सरस घी' फ्री होम डिलीवरी

जयपुर। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, (जयपुर डेयरी) के द्वारा सरस उपभोक्ताओं तक शादी समारोह एवं अन्य आयोजनों में उपभोक्ताओं के घर तक सरस घी पहुंचाने की शुरूआत की गई। प्रथम सरस घी फ्री होम डिलीवरी स्कीम की शुरूआत आर.सी.डी.एफ. प्रशासक एवं प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज तथा जयपुर डेयरी के प्रबन्ध संचालक मनीष फौजदार ने डिलीवरी वाहन को हरी झण्डी दिखाकर की।

सड़कों पर गंदगी देखकर नाराज हुई कुसुम यादव

जयपुर। हैरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव ने मंगलवार देर रात बाद शहर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

इस दौरान महापौर ने नेहरू बाजार, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, रामगंज, आमेर रोड, जल महल, ब्रह्मपुरी आदि जगहों पर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। कई जगहों पर कचरा देख महापौर नाराज भी हुई, उन्होंने संबंधित मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक को सफाई व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। वहीं, नाइट स्विपिंग के तहत निगम द्वारा की का रही सफाई व्यवस्था में लगे सफाई कर्मियों की हाजिरी भी चैक की।

महापौर कुसुम यादव ने बताया कि आगामी महीने में प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान आयोजन में देश-विदेश से अतिथि जयपुर को निहारने आयेंगे। ऐसे में वे शहर की अच्छी इमेज लेकर अपने साथ जाएं, इसके लिए हेरिटेज निगम अलर्ट मोड पर है। सड़कों पर कचरा फैला हुआ है, ऐसे में सभी अधिकारियों को निर्देश दिए है, कि वे ऑफिस के बजाए फिल्ड में जाकर व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएं। वे खुद भी औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा ले रही है। जहां भी गंदगी पाई जाएगी, संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

अनिता चौधरी हत्याकाण्ड : पांच और आरोपियों को शांतिभंग में पकड़ा

एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन पुलिस की गिरफ्त से बाहर

जोधपुर, (कासं)। ब्यूटीशियन अनीता चौधरी हत्याकांड से जुड़े पांच और लोगों को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस उनसे कई दिनों से पूछताछ कर रही थी। फिलहाल पुलिस ने उनकी शांतिभंग में गिरफ्तारी दर्शाई है। इधर अनीता चौधरी के शव का बुधवार को भी निस्तारण नहीं हो सका है। परिजन व समाज के लोग अपनी मांगों को लेकर भगत की कोठी पाली रोड स्थित वीर तेजा मंदिर में बेमियादी धरने पर बैठे हैं। हत्या को करीब एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। इसके चलते अभी तक शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका है। अब यह मामला जाट समाज के साथ ही सर्व समाज से जुड़ता जा रहा है। इसको लेकर मंगलवार से ही बैठकों का दौर जारी है।

जानकारी के अनुसार पुलिस ने पांच लोगों को शांतिभंग में पकड़ा है। ये लोग ब्यूटीशियन अनीता चौधरी हत्याकांड से जुड़े हो सकते हैं। हालांकि पुलिस अभी भी मौन साधे हुए है। वह मामले में ज्यादा कुछ खुलासा नहीं कर रही है। बताया गया है कि इन सभी लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर कई दिनों से पूछताछ कर रही थी। अनीता मर्डर केस में कई चौंकाने वाली जानकारी पुलिस को मिली है। अनीता और आरोपी गुलामुद्दीन फारूकी व प्रॉपर्टी डीलर तैयब अंसारी के बीच बातचीत होती थी। फोन की सीडीआर से पुलिस के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं। आशंका जताई जा रही है कि अनीता की मौत के पीछे प्रॉपर्टी का विवाद भी हो सकता है। ऐसे में अब पुलिस अनीता के नाम जो भी प्रॉपर्टी है, उसकी जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने मंगलवार को तैयब अंसारी के कमला नेहरू स्थित घर व सरदारपुरा सी रोड स्थित ऑफिस की जांच की थी। यहां से पुलिस ने मोबाइल, लैपटॉप, कम्प्यूटर, प्रिंटर सहित कई दस्तावेज बरामद किए हैं। जानकारी में यह भी आ रहा है कि पुलिस अंसारी से जुड़े और भी लोगों से इस मामले में पूछताछ कर सकती है। इसमें पाली व जोधपुर के कई प्रतिष्ठित लोग भी शामिल हैं।

- **आशंका जताई जा रही है कि अनीता की मौत के पीछे प्रॉपर्टी का विवाद भी हो सकता है**

जाट समाज के नेताओं ने जताई नाराजगी :- इस बीच पहली बार प्रदेश के जाट नेताओं ने भी इस मामले में सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और जाट समाज के राजा राम मील ने इस मामले में मुख्य आरोपी के पकड़े नहीं जाने को लेकर नाराजगी जताई है। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने भी इस मामले में जोधपुर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे। सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने भी एक्स पर लिखा है कि अनीता चौधरी हत्याकांड राज्य सरकार के लिए निंदनीय एवं शर्मनाक है। प्रदेश की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री उपचुनाव में व्यस्त हैं, जबकि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। छोटी घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करने वाली भाजपा सरकार इस जघन्य अपराध पर उदासीन क्यों है? महिलाओं के हितों और सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करने वाली राज्य सरकार इस अमानवीय घटना पर चुप क्यों है? मुख्यमंत्री का इस पर मौन रहना अत्यंत चिंताजनक है।

वहीं अनीता चौधरी हत्याकांड को लेकर बनाई गई समिति आज आगामी आंदोलन को लेकर निर्णय करेंगी। संभवतः अब जोधपुर बंद का आव्हान हो सकता है। इससे पहले मंगलवार को देर रात तक सर्व समाज की बैठक हुई, जिसमें मारवाड़ राजपूत सभा के हनुमान सिंह खांघटा, भोपालगढ़ के पूर्व विधायक पुखराज गर्ग सहित अन्य समाजों के नेता और जाट समाज के लोग शामिल हुए।

कई प्रतिष्ठित लोग पुलिस की रडार पर :- अनीता मर्डर केस की गुत्थी को पुलिस सुलझाने का हर संभव प्रयास कर रही है। अनीता के पति मनमोहन व सहेली सुनीता उर्फ सुमन की कॉल रिकार्डिंग बाहर आने के बाद अब पुलिस की रडार पर कई लोग आ चुके हैं। इसमें कई डॉक्टर, ब्यूटी पार्लर संचालक, पाली के प्रॉपर्टी डीलर, बदमाश, व्यवसायी, कई अधिकारी, राजनेता भी अब पुलिस की रडार पर हैं। बताया यह भी जा रहा है कि पुलिस सबसे पहले पाली के कई लोगों से इस मामले में पूछताछ कर सकती है। पुलिस को शक है कि अनीता की हत्या किसी दूसरे जगह पर की गई है। हत्या से पहले उसे प्रताड़ित भी किया होगा। पुलिस ने गुलामुद्दीन के पूरे घर की सघनता से तलाशी ली है लेकिन वहां से अनीता के खून का एक भी धब्बा नहीं मिला। अनीता की हत्या करने के बाद उसके शव को काटा गया है। इसके बाद भी खून का एक भी धब्बा नहीं मिलना, पुलिस के शक को बढ़ा दिया है।

पॉवर बाइक पर पुलिस की कार्रवाई, 37 बाइक जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली और कुंआ थाना पुलिस ने पावर बाइक और बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने 37 बाइक और एक कार को जब्त किया है, जबकि कुंआ पुलिस ने 13 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

कोतवाली थानाधिकारी भगवानलाल ने बताया कि बिना नंबरी, बिना हेमलेट के साथ ही पावर बाइक के साथ स्टंटबाजी करने वाले बदमाशों पर कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत पुलिस ने शहर के प्रमुख चौराहे, रिंग रोड, बर्ड सेंचुरी रोड पर अलग अलग जगहों पर पावर बाइक को रोककर जांच की। पुलिस ने बिना डॉक्यूमेंट के बाइक ओर स्टंटबाजी करने वाले 32 पावर बाइक को डिटेन किया है।

- **लड़ाई झगड़ा मामले में शांतिभंग में 13 जने गिरफ्तार**

इसी तरह कुंआ थानाधिकारी रामेग पाटीदार ने बताया कि बड़गामा रोड पर बोर माता मोड़ पर कुछ बदमाशों के लड़ाई झगड़ा करने की सूचना मिली थी, जिस पर पुलिस ने शांतिभंग में 13 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। वहीं, उनके पास से 5 बाइक और एक कार को जब्त किया है।

पुलिस ने कांति सैंगाड़ा निवासी कुंडेला, बाबूलाल डामोर निवासी उड़दिया, महेश देवतरा निवासी चिखली, मुकेश डामोर निवासी उदड़ीया, मनोज भगोरा निवासी ढूंढी, रमेश डेंडोर निवासी ढूंढी, शांतिलाल डामोर निवासी बावड़ी, शिवा पारगी निवासी धर्मपुरी, दिनेश भमात निवासी पियोला, विजयपाल भमात निवासी पियोला, केसरामा चौधरी निवासी चिखली, लक्ष्मण डामोर निवासी अंबाडा, दिनेश कटारा निवासी गुंदलारा को गिरफ्तार किया है।

पात्रता जांच के लिए विचारित सूची जारी की

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा असिस्टेंट एग्रीकल्चर रिसर्च ऑफिसर (कृषि विभाग) संवीक्षा परीक्षा-2022 के तहत पात्रता जांच हेतु प्लांट पैथोलॉजी, बॉटनी व एंटोमोलॉजी के पदों की विचारित सूची जारी की गई है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग की संयुक्त सचिव ऋषिबाला श्रीमाली ने बताया कि 27 अगस्त 2022 को आयोजित संवीक्षा परीक्षा के फलस्वरूप प्लांट पैथोलॉजी के पदों के लिए 6 एवं बॉटनी के पदों के लिए 6 तथा 28 अगस्त 2022 को आयोजित एंटोमोलॉजी की संविक्षा परीक्षा के फलस्वरूप 26 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच हेतु अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है। विचारित सूची चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित किये जाने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है तथा यह साक्षात्कार हेतु सफल अभ्यर्थियों की सूची नहीं है। साक्षात्कार हेतु अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के पश्चात जारी की जायेगी। आयोग द्वारा अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों व नियमों के अनुसार की जावेगी। पात्रता की समस्त शर्तें नियमानुसार पूर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता आयोग द्वारा रद्द कर दी जाएगी तथा पात्र पाये गये अभ्यर्थियों में से साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों का परिणाम जारी किया जाएगा। विस्तृत आवेदन पत्र अथवा दस्तावेज सत्यापन के संबंध में अभ्यर्थियों को यथा समय सूचित कर दिया जाएगा।

- **असिस्टेंट एग्रीकल्चर रिसर्च ऑफिसर (कृषि विभाग) संवीक्षा परीक्षा-2022**

खींवसर में भाजपा जीतेगी : अर्जुनराम मेघवाल

'अनिता चौधरी हत्याकांड की निष्पक्ष जांच होगी'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 फिर से लागू नहीं होगी। धारा 370 का लगना मतलब देश की एकता और अखंडता को खतरा होगा और यह खतरनाक साबित होगा। वक्फ पर संशोधन किए जाने से मुस्लिम वर्ग को भी फायदा पहुंचेगा। मेघवाल बुधवार को जोधपुर प्रवास पर पहुंचे और एयरपोर्ट पर मीडिया से मुखातिब हुए। वे यहां से सीधे प्रदेश में हो रहे उपचुनाव कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने अनिता चौधरी हत्याकांड पर कहा कि इसकी निष्पक्ष जांच होगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संज्ञान में यह मामला है।

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों पर कहा कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 फिर से लागू नहीं की जाएगी। इस धारा के कारण देश की एकता और अखंडता को खतरा उत्पन्न हो गया था, जिसे हटाया जाना नितांत जरूरी हो गया था। उन्होंने सदन के शीतकालीन सत्र में वक्फ बिल को लेकर कहा कि बिल में संशोधन किया जाना जरूरी है। इसमें संशोधन से मुस्लिम समाज को भी फायदा होगा। इसमें संशोधन से विसंगतियां दूर होगी साथ ही उस पर बना गतिरोध भी समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि इसको लेकर विरोधी राजनीति कर रहे है जोकि न्यायसंगत नहीं है।

- **केंद्रीय राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल जोधपुर पहुंचे और मीडिया से मुखातिब हुए**

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने पत्रकारों के सवाल पर कहा कि प्रदेश की भजनलाल सरकार ने संकल्पों को दस माह में पूर्ण किया है, इससे पहले पूर्ववर्ती सरकार ने अपने एजेंडों को भी कभी पूरा नहीं किया था। वे उपचुनाव को लेकर आश्वस्त है कि इस बार उपचुनाव में भी भाजपा जीतेगी। नागौर जिले के खींवसर सीट पर कहा कि सांसद हनुमान बेनिवाल कांग्रेस समर्थक हैं और वे अच्छी तरह जानते हैं। फिर भी खींवसर में भाजपा अपना अच्छा प्रदर्शन कर जीत दर्ज कराएगी। वे उपचुनाव के मद्देनजर प्रदेश में दौरे पर आए हैं, फीडबैक ले रहे हैं।

सूरत से पहुंचे हाकिम, भांबू को जिताने की अपील की

झुंझुनूं, (निसं)। मुनि आश्रम में हुए कार्यक्रम में फेडरेशन आफ सूरत ट्रेड एंड टेक्सटाइल एसोसिएशन फोस्टा के अध्यक्ष व प्रवासी उद्यमी कैलाश हाकिम पहुंचे, जिन्होंने राजेन्द्र भांबू को जिताने की अपील की। इस मौके पर कैलाश हाकिम को उनके सामाजिक कार्यों के लिए व्यापारियों की ओर से सम्मानित किया गया। जानकारी के अनुसार कैलाश हाकिम भी व्यापारी वोटों पर अच्छी पकड़ रखते हैं। वे पिछले दो-तीन दिन से लगातार डोर-टू-डोर जाकर बीजेपी के लिए प्रचार कर रहे हैं। हाकिम ने बताया कि इस बार झुंझुनूं विधानसभा में कमल खिलेगा।

इधर, उप चुनावों में चाहे हनुमान बेनीवाल की पार्टी आरएलपी किसी के साथ गठबंधन नहीं कर रही हो। लेकिन झुंझुनूं में आरएलपी ने भाजपा को समर्थन दे दिया है। झुंझुनूं में आरएलपी संयोजक राजेंद्र फौजी ने आज भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भांबू के साथ सभाओं को संबोधित किया। अपने भाषणों में भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भांबू ने भी समर्थन देने पर आरएलपी संयोजक राजेंद्र फौजी का आभार जताया और कहा कि आरएलपी के साथ आने से भाजपा पको मजबूती मिलेगी। झुंझुनूं शहर के पुराना बस स्टैंड पर हुई सभा में राजेंद्र भांबू ने ओला परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि ओला परिवार ने अब तक 19 चुनाव लड़े हैं, लेकिन झुंझुनूं विधानसभा के विकास को कभी भी अहमियत नहीं दी, सिर्फ अपने परिवार के बारे में सोचा। यही कारण है कि मुस्लिम और दलितों को अपना वोट बैंक समझने वाले ओला परिवार ने उप चुनावों में भी अपनी तीसरी पीढी को चुनाव मैदान में उतारा है। ओला परिवार कांग्रेस के उम्मीदवार है। ऐसा नहीं लगता। अब तो यह ईस्ट इंडिया कंपनी बन गई है। उन्होंने इस मौके पर बताया कि नौ नवंबर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आएंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। संभवतया सभा सुलताना में हो सकती है। इधर, इससे पहले सभा को मंत्री अविनाश गहलोत, भाजपा नेता डॉ. कमलचंद सैनी, मुरारी सैनी समेत अन्य ने संबोधित किया।

सम्मान समारोह आयोजित

बीकानेर, (निसं)। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर रेंज स्तर पर सुरक्षा सखी संवाद पखवाड़ा अभियान के तहत सुरक्षा सखी सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है। जिसके तहत आज बीकानेर में भी सम्मान समारोह रखा गया। जिसमें बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़ व अनूपगढ़ की सराहनीय कार्य करने वाली 24 सखियों का आईजी ओमप्रकाश द्वारा स्मृति चिन्ह,शॉल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। इस मौके पर रेंज स्तर के पुलिस अधीक्षकों के साथ अपराध गोष्ठी का आयोजन भी हुआ। इस मौके पर बीकानेर एसपी कावेन्द्र सिंह सागर ,श्रीगंगानगर एसपी गौरव यादव, हनुमानगढ़ एसपी अरशद अली, अनूपगढ़ एसपी रमेश मौर्य उपस्थित रहे।

खेत की मिट्टी और पानी की जांच कराने की सलाह

हनुमानगढ़, (निसं)। आत्मा परियोजना अंतर्गत रबी फसलों की उन्नत तकनीकी जानकारी देने के लिए बुधवार को नौरंगदेसर में किसान गोष्ठी हुई। कृषि अनुसंधान व कृषि विस्तार अधिकारियों ने रबी फसल में अपनाए जाने वाली शष्य क्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला कृषि अनुसंधान अधिकारी जी. एस. तूर ने किसानों से आग्रह किया कि प्रत्येक किसान अपने खेत की मिट्टी व टयूबवैल पानी की समय-समय पर जांच करवाए। जांच रिपोर्ट के अनुसार मिट्टी को सुधारने की तकनीक के अनुसार कार्यवाही की जाए। खेत की मृदा को स्वस्थ रखने के लिए फसल अवशेषों को नहीं जलाएं। उचित प्रबंधन कर खेत में मिलाकर मिट्टी को अधिक उपजाऊ बनाए।

गोष्ठी में कृषि पर्यवेक्षक रामलाल गोदारा ने कपास फसल की बनछटियों के उचित प्रबंधन की जानकारी दी। सहायक कृषि अधिकारी नरेश कुमार ने कम सिंचाई पानी से पकने वाली फसलों के बारे में बताया। आत्मा परियोजना उपनिदेशक सुभाष चंद्र डूडी ने कहा कि विभाग के प्रशिक्षणों/गोष्ठियों में हिस्सा लें। खेती में आधुनिक तकनीक अपनाकर फसलों की उपज बढ़ाए व अपनी आर्थिक आय में वृद्धि करें। बताया कि डीएपी उर्वरक की आवक कम होने के कारण डीएपी के विकल्प के रूप में बाजार में उपलब्ध अन्य उर्वरक एनपीके, एसएसपी व यूरिया का अधिक से अधिक उपयोग करे।

जमीन विवाद के चलते बदमाशों ने फायरिंग की

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र की शास्त्रीनगर स्थित नीलकण कॉलोनी में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा सुराणा के घर पर जमीन विवाद के चलते बदमाशों ने फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी, फिलहाल पुलिस इस मामले में जांच कर रही है।

पुष्पा सुराणा ने बताया कि उनके घर पर पिछले लंबे समय से दूध देने का काम करने वाले बालू जाट ने उन्हें दांथल गांव में एक जमीन के बारे में बताया। उसकी बताई जमीन का सौदा उन्होंने किया, जिसके बाद आज जब मौके पर नपती करवाने गए उसे दौरान बालू ने घर पर आकर बात करने के लिए कहा तो सुराणा के पति विद्यासागर सुराणा और उनके बेटे अतुल ने उसे घर आने और बैठकर बात करने के लिए बोला तो इस पर वह अपने चार साथियों के साथ घर पर आया और परिवार के लोगों से बहस करने लगा। इस दौरान उनमें शामिल एक युवक ने बंदूक निकालकर फायर कर दिया। गनीमत रही कि निशाना चूक गया और गोली कमरे की छत पर जा लगी। अचानक एकाएक हुई फायरिंग से परिवार सदमे में आ गया और कॉलोनी में हड़कंप मच गया।

पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाये।

- **गनीमत रही कि निशाना चूक गया और गोली कमरे की छत पर जा लगी**
- **कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा सुराणा के घर पर हुई फायरिंग, कोई जनहानि नहीं हुई**

परिवार की चीख-पुकार की आवाज सुनकर क्षेत्रवासी इक्कठा हो गए और बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह मौके से भाग छूटे। इसके बाद घटनाक्रम की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी गई, जिस पर कोतवाली थाने का जाब्ता मौके पर पहुंचा और एफएसएल टीम की मदद से आरोपियों के खिलाफ सबूत जुटाते हुए उनकी तलाश शुरू कर दिए।

डॉक्टर बन जारी कर रहे थे हेल्थ फिटनेस प्रमाण पत्र

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुलिस ने जब छापा मारा तो आरोपियों के पास न तो कोई पैथोलॉजी लैब थी न कोई उपकरण थे न ही कोई मशीन आदि थे जिससे जांच कर किसी व्यक्ति को स्वास्थ्य की दृष्टि से फिट घोषित किया जाए। इसके बावजूद आरोपी हर लाइसेंस रिन्यू करवाने वाले व्यक्ति से फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने के रुपए ले लेकर मुहर लगा प्रमाण पत्र जारी करते मिले। इस मामले की गहराई तक जांच की जाकर सभी को पकड़ा जाएगा।

एसएचओ रमेश न्यौल के मुताबिक आरोपी किसी डॉक्टर हरीश मेहता के नाम की मुहर बनाकर प्रमाण-पत्र जारी करते मिले हैं। ये डॉक्टर हरीश मेहता कौन हैं, कहां के हैं, हैं भी या फर्जी नाम इस्तेमाल किया जा रहा था। इन सभी सवालों के जवाब के लिए आरोपियों को बुधवार को कोर्ट में पेशकर रिमांड पर लिया जाएगा। आरोपियों के पास स्वास्थ्य जांच करने की खुद की कोई डिग्री, डिप्लोमा कुछ भी नहीं है। डीटीओ ऑफिस के बाहर दो युवकों को फर्जी स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र जारी करते पकड़ा गया है। इन फर्जी डॉक्टरों के जारी किए गए सैकड़ों प्रमाण-पत्रों पर लाइसेंस रिन्यू किए जा चुके हैं जो बड़ी चिंता की बात है। सदर पुलिस ने आरोपियों को काबू कर उनके खिलाफ देर रात मुकदमा दर्ज किया है। इसकी जांच एएसआई धर्मवीर मीणा को सौंपी गई है। एसपी गौरव यादव ने बताया कि एसआई सुनीलकुमार को डीएसबी सेल के कांस्टेबल प्रवीणकुमार से सूचना मिली थी। इसके आधार पर डीटीओ ऑफिस के बाहर से आरोपी मनोहर शर्मा पुत्र अर्जुनलाल, विनोद कुमार पुत्र रामप्रकाश को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से डॉक्टर हरीश मेहता के नाम से बनाई गई मुहर से फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किए जाते पकड़े गए हैं।

उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट रद्द

श्रीगंगानगर निवासी ने नोकिया का फोन खरीदने के बाद तकनीकी खराबी की शिकायत की थी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय मलिक के खिलाफ श्रीगंगानगर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को रद्द कर दिया है। यह फैसला संजय मलिक की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस अरुण मोंगा ने दिया।

श्रीगंगानगर निवासी पंकज सिंह ने नोकिया का एक फोन खरीदने के बाद उसमें तकनीकी खराबी की शिकायत की थी। इस शिकायत पर श्रीगंगानगर उपभोक्ता आयोग ने 26,999 रुपए के मोबाइल की खराबी को लेकर आदेश दिया था। हालांकि, नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का इस मोबाइल के निर्माण या बिक्री से प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। कंपनी ने 2014 में अपना मोबाइल निर्माण व्यवसाय माइक्रोसॉफ्ट को बेच दिया था और बाद में 2016 में यह व्यवसाय एचएमडी ग्लोबल को हस्तांतरित हो गया। फिर भी, जिला उपभोक्ता आयोग ने संजय मलिक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। मलिक की ओर से वरिष्ठ वकील विनीत जैन और वकील विवेक माथुर ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। दोनों अधिवक्ताओं ने अदालत के सामने तर्क दिया कि पंकज सिंह को कंपनी की ओर से पूरा मुआवजा दिया जा चुका है और पंकज सिंह ने स्वयं आयोग में आवेदन देकर मामले को वापस लेने की बात कही थी। वकील ने बताया कि इस विवाद में संजय मलिक या उनकी कंपनी का कोई प्रत्यक्ष या कानूनी संबंध नहीं था, क्योंकि एचएमडी ग्लोबल अब नोकिया ब्रांड के तहत फोन का समर्थन करता है। जस्टिस अरुण मोंगा ने याचिकाकर्ता के वकीलों के तर्कों को स्वीकार करते हुए कहा कि जब उपभोक्ता और कंपनी के बीच मामला सुलझा लिया गया है, तो आयोग को इस मामले में किसी अधिकारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करना चाहिए। इसके बाद अदालत ने संजय मलिक के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट को रद्द करते हुए उपभोक्ता आयोग में चल रही सभी प्रक्रियाओं को समाप्त करने का आदेश दिया।

नर्सिंग छात्रा ने घर पर फांसी लगा सुसाइड किया

जयपुर। रामगंज थाना इलाके में एक नर्सिंग की छात्रा ने सुसाइड किया है। पुलिस के अनुसार बैरवा बस्ती निवासी वर्षा बंशीवाल पुत्री रामबाबू बंशीवाल ने घर पर फांसी का फंदा लगा लिया। घटना के दौरान परिजन बाजार गए हुए थे। वापस आए तो कमरे का दरवाजा बंद मिला।

परिजनों ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जबाब नहीं आया। इस पर परिजनों ने खिड़की से झांककर देखा तो वह साड़ी के फंदे से लटकी मिली। इस पर पुलिस को सूचना दी। मृतका एसएमएस नर्सिंग कॉलेज की तृतीय वर्ष की छात्रा थी। पुलिस सुसाइड के कारणों का पता लगा रही है। मृतका के पास एक सुसाइड नोट भी मिला है, लेकिन उसमें कहीं पर भी मौत के कारण नहीं लिखे है।

मेड़ता शहर में एक साथ उठे तीन शव, माहौल गमगीन हुआ

जोधपुर में हुई दुर्घटना में मां, पत्नी व पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई थी

मेड़ता सिटी, (निसं)। मेड़ता शहर में एक साथ तीन शव उठे। मृतकों का बुधवार को मेड़ता में अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ एक ही परिवार के तीन शव उठने से पूरे शहर में गम का माहौल है। सेन समाज द्वारा समाज के नागरिकों की आकस्मिक दुर्घटना से मौत होने पर बुधवार को मेड़ता पट्टी सेन समाज द्वारा अपने अपने प्रतिष्ठान बंद कर के श्रद्धांजलि दी। मेड़ता शहर के एक परिवार के साथ जोधपुर के बोरानाडा के पास मंगलवार को एक भीषण ट्रक व कार दुर्घटना हुई, जिसमें मां, पत्नी व पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पिता व पुत्री चिकित्सालय में गंभीर रूप से घायल है।

- **मेड़ता विधायक ने जिला कलेक्टर को उचित मुआवजे को लेकर निर्देश दिये**

जोधपुर में ट्रक व कार की भीषण टक्कर हुई जिसमें मेड़ता निवासी रमेश सेन, पार्वती सेन व इंदिरा सेन की मौके पर ही मौत हो गई। शवों के जोधपुर से मेड़ता पहुंचने पर मेड़ता सेन समाज के साथ मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू मौके पर पहुंचे और परिजनों और समाजजनों को सांत्वना प्रदान की। वहीं जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित से दूरभाष पर वार्ता कर पीड़ित परिवार को नियमियानुसार मुआवजा देने की मांग की। इस मौके पर गौतम टांक, दिलीप टांक, दशरथ सारस्वत, हरीश सोनी, विष्णु प्रजापत, राजू माली, महेश सेन, नवरतन सेन सहित सेन समाज सहित मेड़ता के नागरिकों ने अंतिम संस्कार में श्रद्धांजलि दी।

मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू मौके पर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना प्रदान की।

राइजिंग इन्वेस्टर मीट आज

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला स्तरीय राइजिंग इन्वेस्टर मीट गुरुवार को होगी। जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने बताया कि इसमें कई निवेशकों के आने की संभावना है। निवेश को लेकर उद्यमियों में उत्साह है। जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट के लिए अभी तक 227 एमओयू के प्रस्ताव प्राप्त हुए है। इनसे 3051 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आएगा और 5600 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार एवं 8293 लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

कलेक्टर ने बताया का जिला स्तरीय मीट में जिले के प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा, सांसद कुलदीप इंदौरा, जिले के विधायक, प्रभारी सचिव, संभागीय आयुक्त, औद्योगिक संघों के पदाधिकारी, निवेशक, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी सहित उद्योग से जुड़े लोग मौजूद रहेंगे। किन्नू एवं मस्टर्ड ऑयल सहित विभिन्न इकाइ्यों की स्टॉल प्रदर्शनी लगाई जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि सभी एमओयू राज निवेश पोर्टल के जरिए होंगे। इससे उनके क्रियान्वयन की उच्च स्तर पर निगरानी हो सकेगी। सोलर प्लांट, होटल एवं रिसोर्ट, बॉयो एनर्जी, चिकित्सा, सीड ग्रेडिंग प्रोजेक्ट, सीड प्रोसेसिंग, बॉयो फ्यूल, कृषि संसाधन, शिक्षा, कोल्ड स्टोरेज, मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट, कॉटन फैक्ट्री, वेयरहाउस, किन्नू प्रोसेसिंग, मस्टर्ड ऑयल, स्किल एंड वोकेशनल ट्रेनिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए प्रस्ताव मिले हैं।

यश दयाल, विजयकुमार और रमनदीप सिंह को घरेलू क्रिकेट में उनके शानदार रिकार्ड को देखते हुए भारतीय टी20 टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिलना चाहिए। - अनिल कुम्बले

पूर्व भारतीय गेंदबाज, तेज गेंदबाजों की शानदार वापसी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जलज सक्सेना

घरेलू क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी जलज सक्सेना रणजी ट्रॉफी में छा गए। उन्होंने बुधवार 6 नवंबर को थुंबा में उत्तर प्रदेश के खिलाफ केरल के चौथे दौर के मैच के दौरान 6 हजार रन और 400 विकेट का डबल हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इसके साथ ही जलज रणजी ट्रॉफी के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर बन गए हैं। कोलकाता में पिछले दौर में 6 हजार रन पार करने वाले सक्सेना ने ये उपलब्धि तब हासिल की जब उन्होंने उत्तर प्रदेश के खिलाफ अपना चौथा विकेट लिया। ये उनका 400वां रणजी ट्रॉफी विकेट था।

क्या आप जानते हैं ?... वर्तमान में 80 से अधिक देश पोलो खेलते हैं। पोलो 1900 से 1936 तक ओलम्पिक खेल था और इसे अब एक बार फिर अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति ने मान्यता प्रदान की है।

// लौट रहा है अफ्रो-एशिया कप //

रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलेंगे बाबर आजम सहित पाकिस्तान के खिलाड़ी

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। आईपीएल में रोहित शर्मा की कप्तानी में कई विदेशी खिलाड़ियों को देखते हुए देखा गया है। लेकिन अगर रोहित शर्मा की कप्तानी में अगर पाकिस्तान के खिलाड़ी खेलते हुए दिखेंगे तो हर किसी को हैरानी होगी।

दरअसल, भारत और पाकिस्तान को हमेशा से ही एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हुए देखा है। लेकिन आने वाले समय में रोहित शर्मा की कप्तानी में बाबर आजम सहित पाकिस्तानी खिलाड़ियों को खेलते हुए देखा जा सकता है। अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन की हाल में हुई एजीएम में अफ्रो-एशिया कप को फिर से कराने पर चर्चा हो रही है। ये टूर्नामेंट 2005 और 2007 में आयोजित हो चुका है। अगर अफ्रीकी बोर्ड का प्लान आगे बढ़ता है तो जल्द ही इसका तीसरा सीजन देखने को मिल सकता है। क्रिकेट प्रेमी जानते हैं कि अफ्रो-एशिया कप अफ्रीकन इलेवन और एशियन इलेवन के बीच खेला जाता है। अफ्रीकन इलेवन में ज्यादातर साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे के खिलाड़ी शामिल होते हैं। एशियन इलेवन में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के खिलाड़ी दिख सकते हैं।

वहीं पहली बार 2005 में अफ्रो-एशिया में एशियन इलेवन की कप्तानी पाकिस्तान के इंजमाम उल हक ने संभाली थी। अफ्रीका इलेवन की कमान शॉन पोलक को मिली थी। ग्रीम स्मिथ ने भी अफ्रीकी टीम की कप्तानी की थी। एशियन इलेवन में इंजमाम की अगुवाई में भारत की तरफ से 6 खिलाड़ी, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले, वीरेंद्र सहवाग, इरफान पठान, आशीष नेहरा और जहीर खान शामिल थे।

रिकी पोंटिंग की भविष्यवाणी

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। रिकी पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में बात करते हुए कहा कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में टॉप स्कोर ऋषभ पंत और स्टीव स्मिथ हो सकते हैं। पंत को अब ऑस्ट्रेलिया में खेलने का अनुभव है, जबकि स्टीव स्मिथ पहले से ही ऑस्ट्रेलिया के स्टार खिलाड़ी हैं, और उन्हें अपनी परिस्थितियों का अंदाजा है। पोंटिंग ने कहा कि, मुझे लगता है कि स्मिथ, ये तथ्य कि वह सलामी बल्लेबाज से वापस नंबर 4 पर आ गए हैं, शायद वे महसूस करता है कि उसके पास साबित करने के लिए और भी बहुत कुछ है। उन्हें साबित करना है कि वे नंबर चार पर बेस्ट दे सकते हैं।

रोनाल्डो के गोल की मदद से अल नासर की एएफसी चैंपियंस लीग में बड़ी जीत

रियादे, 6 नवम्बर। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल की मदद से अल नासर ने एएफसी चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के एलीट वर्ग में संयुक्त अरब अमीरात के क्लब और गत चैंपियन अल ऐन को 5-1 से हराकर 12 टीमों की तालिका में शीर्ष तीन में जगह बनाई।

सऊदी अरब के क्लब अल नासर के चार मैचों में 10 अंक हैं तथा वह स्थानीय प्रतिद्वंद्वियों अल हिलाल और अल अहली से दो अंक पीछे हैं। इन दोनों ने अभी तक अपने चारों मैच जीते हैं। एंडरसन तालिस्का ने खेल शुरू होने के पांच मिनट बाद ही अल नासर की तरफ से पहला गोल किया। इसके बाद रोनाल्डो ने आधे घंटे के अंतराल के ठीक बाद इस सत्र में प्रतियोगिता में अपना दूसरा गोल किया। फैबियो कार्डोसो के आत्मघाती गोल से सऊदी अरब की टीम ने मध्यांतर तक 3-0 की बढ़त बना दी। वेस्ले और तालिस्का ने दूसरे हाफ में अल नासर के लिए गोल किए। इस बीच जापान के विसेल कोबे ने दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू एफसी पर 2-0 से जीत से अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल कर लिया। मलेशिया के जोहोर दारुल ताजिम दक्षिण कोरिया के दो बार के चैंपियन उल्सान एचडी पर 3-0 से जीत के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

अजमेर की अर्जुन अवार्डी महिला गोताखोर मंजरी भार्गव का निधन

अजमेर, 6 नवंबर। तैराकी और गोताखोरी में अर्जुन अवार्डी मंजरी भार्गव का 1956 में अजमेर में जन्म हुआ था। बुधवार को उनका निधन हो गया। उन्होंने कई पुरस्कार जीते और 1972, 1973 और 1974 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए श्रीलंका के खिलाफ स्वर्ण पदक भी जीता। उनके निधन की खबर से अजमेर और राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में उनके जानने वाले और उनके साथ काम करने वाले लोग स्तब्ध रह गए।

मेयो कॉलेज के पूर्व शिक्षक सुरेश माथुर ने कहा कि जब महिलाएं तैराकी में प्रमुख नहीं थीं, तब वे बहुत उत्साही थीं और उन्होंने देश को सम्मान दिलाने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की। मंजरी का जन्म एमके भार्गव के परिवार में हुआ था, जो अजमेर के सरकारी कॉलेज के प्रिंसिपल थे और उनकी मां उमा भार्गव थीं। वे दिवंगत न्यायमूर्ति पीएल भार्गव की पोती थीं। उन्होंने अजमेर में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और राज लक्ष्मी से तैराकी और भंवर सिंह से गोताखोरी का प्रशिक्षण लिया। वह भारत की हाई डाइव बोर्ड चैंपियन थीं और उन्हें अर्जुन पुरस्कार मिला था। उन्होंने 10 साल की उम्र में तैराकी शुरू कर दी थी। वह जूनियर स्तर पर चैंपियन बनीं और जिला और राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में भाग लिया, अपने पहले प्रदर्शन में नए रिकॉर्ड बनाए। उन्हें 1970, 1971, 1972, 1973 और 1974 में बेस्ट डाइविंग कप बीईटी ट्रॉफी मिली। वह 12 साल की उम्र में डाइविंग में राष्ट्रीय चैंपियन बन गईं। उन्होंने 1971 से 1974 तक श्रीलंका के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व किया और 1974 में भारतीय टीम की कप्तान रहीं। उन्होंने डाइविंग में कई पदक और ट्रॉफी जीतीं।

बाद में, उन्होंने एक मरीन इंजीनियर से शादी की, उनके दो बेटे हुए और फिर वे मैंगलोर में बस गईं। सिरोही के सरकारी कॉलेज में लेक्चरर के पद पर कार्यरत सुगना प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि मंजरी को जानने वालों को उनकी मौत ने झकझोर दिया है, "उन्होंने हमारे कॉलेज में इतिहास की लेक्चरर के तौर पर कुछ समय तक हमारे साथ काम किया और उन्हें अपना परिचय देने की जरूरत नहीं है।" अजमेर के शिक्षाविद् अनंत भटनागर ने कहा कि जिस समय मंजरी अपने जुनून के लिए काम कर रही थीं, वह सैकड़ों लोगों का सपना था, लेकिन उन्होंने खुद को साबित कर दिखाया। उनका निधन वाकई उन युवाओं के लिए झटका है, जिन्हें उनसे बहुत कुछ सीखना था।

लिवरपूल की शानदार जीत

मिलान, 6 नवम्बर। यूरोप की चोटी की टीमों रियाल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी दोनों को चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में बड़ी हार का सामना करना पड़ा। मौजूदा चैंपियन रियाल मैड्रिड को एसी मिलान ने अपने घरेलू मैदान पर 3-1 से हरा दिया, जबकि मैनचेस्टर सिटी को एर्लिंग हालैंड की पेनल्टी में चूक महंगी पड़ी और चौथे मिनट में बढ़त बनाने के बावजूद उसे पुर्तगाल की टीम स्पोर्टिंग लिस्बन ने 4-1 से हार झेलनी पड़ी। लिवरपूल के लिए यह शानदार दिन था जिसने लुइस डियाज की हैट्रिक और कोडी गाकपो गोल की मदद से एनफील्ड में खेले गए मैच में जर्मन चैंपियन बायर लेवरकुसेन पर 4-0 से जीत दर्ज की।

7वीं सीनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता का फाइनल मैच आज

जयपुर, 6 नवंबर। राजस्थान राज्य बॉल बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष डॉ. राजपाल शर्मा के अनुसार आज पुरुष एवं महिला वर्ग के लीग मैच खेले गए। प्रातः सत्र में महिला पुरुष दोनों के मिलकर लगभग 60 लीग मैच खेले गए। यह लीग मैच चार मैदानो पर करवाए गए। शाम के सत्र में दोनों वर्गों के प्री क्वार्टर फाइनल मैचों का आयोजन किया गया जिनका परिणाम इस प्रकार है, पुरुष वर्ग में प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली टीम इस प्रकार है जयपुर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, चूरू, टोंक, जोधपुर, भरतपुर, करौली, धौलपुर, दूदू, अजमेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, जयपुर ग्रामीण, अनूपगढ़ एवं कोटा रही। वहीं महिला वर्ग में जयपुर, बीकानेर, चूरू, चित्तौड़गढ़, टोंक, भरतपुर, अजमेर, नागौर, जोधपुर, करौली, दौसा, श्रीगंगानगर, जयपुर ग्रामीण, कोटा, दूदू रही। शाम के सत्र में दूधिया रोशनी में पुरुष डबल्स, महिला डबल्स एवं मिक्स डबल्स के मैचेस खेले जाएंगे। क्वार्टर फाइनल, सेमी फाइनल एवं फाइनल मैचेज, दोनों वर्गों के कल खेले जाएंगे प्रतियोगिता का समापन समारोह कल 11:30 बजे रखा गया है।

राजीव गांधी एकेडमी ने सोलफील एकेडमी को हराया

जयपुर, 6 नवंबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर - 14 यूथ कप प्रतियोगिता में आज खेले गए मैच में राजीव गांधी एकेडमी ने सोलफील एकेडमी को 105 रनों से हराया। आज सोलफील ग्राउंड पर खेले गए मैच में राजीव गांधी एकेडमी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पुनीत यादव के 76 रन, भास्कर तिवाड़ी के 29 रन व निलय अरोड़ा के 17 रन से 49.1 ओवर में 188 रन बनाए। सोलफील एकेडमी के लिए रोहित ने 34 पर 4, शांतनु स्वामी ने 35 पर 3 विकेट व आदित्य शर्मा ने 42 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में सोलफील एकेडमी की टीम शांतनु के 20 रन, जेवल के 15 रन व रोहित के 10 रनों से 26.4 ओवर में 83 रनों पर आउट हो गई। राजीव गांधी एकेडमी के लिए नकुल ने 12 पर 3, निलय अरोड़ा ने 15 पर 3, हिमांक पारीक ने 15 पर 2 व सूर्यवीर ने 16 पर 2 विकेट लिए।

रणजी ट्रॉफी में शतक पर शतक ठोक रहे अय्यर, टीम इंडिया में वापसी को तैयार

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने रणजी ट्रॉफी 2024-25 में शतक ठोका है। अय्यर ने ओडिसा के खिलाफ मुंबई के शरद पवार क्रिकेट एकेडमी स्टेडियम में सेंचुरी लगाई है। अय्यर भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं, उन्हें खराब फॉर्म के चलते सेलेक्टर्स ने बाहर का रास्ता दिखाया था। हालांकि, अब चयनकर्ता उनपर नजर बनाए हुए हैं। हाल ही में अय्यर ने प्रथम श्रेणी में 3 साल बाद शतक का सूखा खत्म किया था। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में महाराष्ट्र के खिलाफ 182 गेंदों पर 142 रन बनाए थे। आखिरी बार उन्होंने 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में शतक लगाया था।

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने उड़ीसा के खिलाफ पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 101 गेंदों में अपना 15वां शतक जड़ा। श्रेयस अय्यर ने बैक टू बैक शतकों के साथ अपनी फॉर्म जारी रखी है। अय्यर के दो शतक ऐसे वक्त में आए हैं जब उन्हें आईपीएल के मेगा ऑक्शन 2025 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने अचानक रिलीज कर दिया।

वॉर्नर सिडनी थंडर के कप्तान बनाये गये

सिडनी, 6 नवम्बर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को बिग बैश लीग (बीबीएल) 2024-25 के लिए सिडनी थंडर का कप्तान बनाया गया है। वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में गेंद से छेड़छाड़ को लेकर वॉर्नर को आजीवन कप्तानी के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। डेविड वॉर्नर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। पिछले दिनों डेविड वॉर्नर ने कप्तानी पर लगे बैन के खिलाफ अपील की थी। जिसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आचार संहिता आयोग ने उन पर लगे प्रतिबंध को समाप्त कर दिया।

जेद्दा में होने वाली आईपीएल नीलामी में 1574 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को घोषणा की कि 1165 भारतीय खिलाड़ियों सहित कुल 1574 क्रिकेटरों ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से पहले सऊदी अरब के जेद्दा में 24 और 25 नवंबर को होने वाली बड़ी नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। स सूची में 320 कैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच खेला हो) खिलाड़ी जबकि 1,224 अनकैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी और एसोसिएट देशों के 30 खिलाड़ी शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों में 48 भारत के हैं। इसके अलावा देश के 965 अनकैप्ड खिलाड़ी भी नीलामी का हिस्सा होंगे। खिलाड़ियों का पंजीकरण आधिकारिक तौर पर सोमवार को बंद हो गया।

कुल 409 विदेशी खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए पंजीकरण किया है। यह लगातार दूसरा साल है जब नीलामी विदेश में हो रही है। आईपीएल 2024 से पहले पिछली नीलामी दुबई में हुई थी। नीलामी 22 नवंबर से पर्थ में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरू हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे और चौथे दिन के खेल से टकराएगी।

प्रत्येक फ्रेंचाइजी अधिकतम 25 खिलाड़ियों (संबंधित रिटेन खिलाड़ियों सहित) की टीम बना सकेगी और नीलामी से कुल 204खिलाड़ी खरीदे जा सकेंगे। इस साल की नीलामी में ऋषभ पंत, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर और अर्शदीप सिंह जैसे कुछ बड़े भारतीय सितारे भी शामिल होंगे। नीलामी में 91 खिलाड़ियों के साथ दक्षिण अफ्रीका का दूसरा सबसे बड़ा खिलाड़ी पूल है जिसके बाद 76 खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है।

इंग्लैंड से 52 और न्यूजीलैंड से 39 क्रिकेटर नीलामी में हिस्सा लेंगे जबकि वेस्टइंडीज (33) और अफगानिस्तान (29) और श्रीलंका (29) इस सूची में अगले पायदान पर हैं। एसोसिएट देशों में यूएसए (10), नीदरलैंड (12), कनाडा (4), इटली (1), यूएई (1) और स्कॉटलैंड (2) के खिलाड़ी नीलामी का हिस्सा लेंगे। नीलामी के दौरान 10 फ्रेंचाइजी के पास 204 खिलाड़ियों पर खर्च करने के लिए सामूहिक रूप से लगभग 641.5 करोड़ रुपये होंगे।

इन 204 स्थानों में से 70 विदेशी खिलाड़ियों के लिए निर्धारित हैं। अब तक 10 फ्रेंचाइजी ने 558.5 करोड़ रुपये के सामूहिक खर्चे के साथ 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता 18 से

जयपुर, 6 नवंबर। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में पिछली विजेता राज क्रिकेट क्लब उप विजेता जयपुर ब्लूज, नीरजा मोदी, सुराणा क्रिकेट एकेडमी, जयपुर क्लब, राजस्थान यूथ, अरावली क्रिकेट क्लब, यूनियन क्लब, नीलकमल क्रिकेट क्लब, चम्बल स्पोर्टस, सबा क्रिकेट क्लब, मेवाड़ा बनीपार्क क्रिकेट क्लब, राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी सहित जयपुर की सभी प्रमुख टीमों के अलावा राजस्थान के अन्य जिलों की टीमें भी भाग लेगी। प्रतियोगिता रेड बॉल से नाक ऑउट आधार पर खेली जायेगी, जिसमें 40-40 ओवर के मैच खेले जायेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक टीमे सचिव एस.एम. माथुर मोबाईल नं. 98290-12955 या प्रतियोगिता सचिव सलीम खान मो. नं. 98292-44509 से 15 नवम्बर तक सम्पर्क कर सकती है।

अजय कुकना की घातक गेंदबाजी

जयपुर, 6 नवंबर। बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024 -25 की राष्ट्रियक्रिकेट प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी के आज से जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान - हैदराबाद रणजी मैच के पहले दिन का स्कोर :-

राजस्थान - हैदराबाद रणजी मैच (पहले दिन का स्कोर) हैदराबाद पहली पारी 261 / 5, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद टीम ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 5 विकेट के नुकसान पर 261 रन बना लिए थे। टीम के लिए राहुल सिंह ने 66 रनोकी अर्धशतकीय पारी खेली। राजस्थान के गेंदबाज अजय सिंह कुकना 88 / 3, अराफात खान 28 / 1 व दीपक चाहर 53 / 1 विकेट प्राप्त किये।

2036 ओलंपिक की मेजबानी की प्रतिबद्धता दृढ़ः उषा

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि इस खेल संगठन में कार्यकारी परिषद के सदस्यों के साथ विवाद और 'आंतरिक चुनौतियों' के बावजूद 2036 ओलंपिक की मेजबानी की उनकी प्रतिबद्धता 'अटल' है। उषा आईओए सीईओ के रूप में रघुराम अय्यर की नियुक्ति के मामले में कार्यकारी परिषद के 12 सदस्यों के साथ विवाद में उलझी हुई हैं। उषा ने कहा, "आईओए के भीतर कुछ आंतरिक चुनौतियों के बावजूद, 2036 ग्रीष्मकालीन खेलों की मेजबानी के लिए हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ बनी हुई है। आईओए आईओसी के साथ लगातार संपर्क में हैं और मुझे आशा है कि भारत को एक उदार मेजबान के रूप में देखा जाएगा।" भारत ने 2036 में होने वाले ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने की दिशा में पहला बड़ा कदम उठाते हुए देश की इच्छा व्यक्त करने से संबंधित आशय पत्र अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को सौंप दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल सबसे पहले 2036 ओलंपिक की मेजबानी की अपनी सरकार की आकांक्षा के बारे में बात की थी। उषा ने कहा, "हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल आईओसी सत्र के दौरान 2036 में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक की मेजबानी के लिए भारत के दृष्टिकोण को सामने रखा था। तब से हमने आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक और भविष्य के मेजबान आयोग के अधिकारियों के साथ नियमित संचार बनाए रखा है।" उन्होंने कहा, "हम पेरिस ओलंपिक के दौरान आईओसी के साथ एक सार्थक चर्चा में भी लगे हुए थे। हमारे अधिकारियों ने पेरिस ओलंपिक के दौरान आईओसी द्वारा आयोजित कार्यकारी कार्यक्रम और पर्यवेक्षक कार्यक्रम में भाग लिया था।" उन्होंने कहा, "इन बातचीत और सीख को अपनाते हुए भारत ने इस साल अक्टूबर की शुरुआत में 2036 खेलों की मेजबानी के लिए आशय पत्र प्रस्तुत किया।

जयपुर जिला क्रिकेट संघ, अण्डर 14 की ट्रायल 12 को

जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा जयपुर जिले की अण्डर 14 की चैलेन्जर ट्रॉफी के लिए चयन ट्रायल दिनांक 12 नवम्बर को प्रातः 9 बजे के. एल. सैनी स्टेडियम पर ट्रायल आयोजित की जाएगी। ट्रायल में केवल जयपुर जिले के ही खिलाडी भाग ले सकते है। जो खिलाडी ट्रायल देना चाहते है उनकी जन्म तिथि 01 सितम्बर 2010 से 31 अगस्त 2012 तक होनी चाहिए। ट्रायल देने वाले खिलाडी अपना रजिस्ट्रेशन के. एल. सैनी स्टेडियम पर दिनांक 07 व 08 नवम्बर को करा लेंवे। खिलाडी अपने साथ निम्न लिखित दस्तावेज अवश्य साथ लाये। कम्प्युटर से बना हुआ जन्म प्रमाण पत्र,पिछले, साल की स्कूल की मार्कशीट, स्वयं, माता व पिता का आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र जरूर लाये।

असलंका करेंगे श्रीलंका टीम की कप्तानी

कोलंबो, 6 नवंबर। चरिथ असलंका न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय और टी-20 सीरीज के लिए श्रीलंका टीम की कप्तानी करेंगे। श्रीलंका ने हाल ही में भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले अनुभवी खिलाड़ियों को भी दोनों प्रारूपों के लिए टीम में जगह दी है। नौ और 10 नवंबर को दो टी-20 मैच खेले जाएंगे। जबकि 13, 17 और 19 नवंबर को एकदिवसीय मैच होंगे। पहले तीन मैच रांगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में तथा अंतिम दो एकदिवसीय मैच पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

26वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता

जयपुर, 6 नवम्बर । यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 26वीं नवीन नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड, हाथोज पर खेले गये क्वार्टर फाइनल मैच में राहुल तोमर 88 रन (40 गेंद 6 चौके 7 छक्के) जैनी सिंह 57 रन (38 गेंद 5 चौके 3 छक्के) की शानदार पारीयो व चिराग शर्मा ने 45 रन पर 4 विकेट तथा आशीष रावल 49 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत एन.बी. क्रिकेट एकेडमी ने कृष्णा क्रिकेट एकेडमी को 128 रन से हराकर सेमी फाईनल में प्रवेश किया। जहां उसका मुकाबला 8 नवम्बर 2024 को होने वाले अरावली क्रिकेट एकेडमी व राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी के मध्य होने वाले अन्तिम क्वार्टर फाईनल के विजेता से होगा।

टॉस जीतकर एन.बी. क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल तोमर 88 रन, जैनी सिंह 57 रन, तनमय तिवारी 48 रन, नकुल गांधी 38 रन, चिराग शर्मा 20 रन तथा विष्णु जांगिड़ की पारियों की मदद से 35 ओवर में 9 विकेट खोकर 304 रनों का शानदार स्कोर खड़ा कर लिया। गेंदबाजी में कृष्णा एकेडमी की ओर से रिषभ मोदी 51 रन पर 3 विकेट, भंवर 59 रन पर 2 विकेट, रघुल शर्मा 58 रन पर 2 विकेट तथा प्रखर शर्मा व देवांश सिंह 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें।

जबावी पारी में कृष्णा क्रिकेट एकेडमी के मोहित प्रजापति 51 रन, देवांश सिंह 34 रन, रिषभ मोदी 21 रन, राहुल शर्मा 19 रन को छोड़कर शेष बल्लेबाज एन.बी. क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों चिराग शर्मा 45 रन पर 4 विकेट, आशीष रावल 49 रन देकर 3 विकेट की शानदारी गेंदबाजी के समक्ष नही टिक सके और तेजी से रन बनाने के प्रयास में अपने विकेट जल्दी जल्दी गंवा दिये और पूरी टीम 25.2 ओवर में 176 रन पर सिमट गई। एन.बी. एकेडमी की ओर से प्यार सिंह, उत्कर्ष सैनी व राहुल तोमर प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर अन्य सफल गेंदबाज रहें।

इस मैच का मैन ऑफ द मैच एन.बी. क्रिकेट एकेडमी के राहुल तोमर रहे जिन्होने 88 रन व 1 विकेट लिया। एन.बी. क्रिकेट एकेडमी 304 रन 9 विकेट खोकर 35 ओवर में। कृष्णा क्रिकेट एकेडमी 176 रन ऑल आउट 25.2 ओवर में।

राजस्थान की नेहल सिसोदिया का धमाका

// अन्डर-15 एवं अन्डर-17 नेशनल रैंकिंग बैडमिन्टन //

जयपुर, 6 नवम्बर। राजस्थान की नेहल सिसोदिया ने अन्डर-15 एवं अन्डर-17 योनेक्स सनराइज बैडमिन्टन प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग राउण्ड में बुधवार को धमाका किया। लड़कियों के अन्डर-15 मुकाबलों में उदयपुर की नेहल सिसोदिया ने गुजरात की छठी वरियता प्राप्त तनिषा चौरसिया पर तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबलों में 11-15, 15-10, 15-10 से जीत दर्ज की। इसी आयु वर्ग के लड़कों के मुकाबलो में मानस परवाल ने हरियाणा के वेदस को 15-6, 15-13 से, हर्ष स्वामी ने असम के आदी बोरा को 15-10, 15-13 से, सागर टेकचन्दानी ने तेलंगाना के विष्णु रेड्डी को 18-16, 15-9 से, श्रेयांश चौधरी ने कर्नाटक के चिराग प्रकाश को 9-15, 15-10, 15-9 से, आनन्द मदेरणा ने महाराष्ट्र के हरिदान को 15-6, 12-15, 15-13 से, दिव्यांश तोमर ने तमिलनाडु के बालू गोतम को 15-13, 15-5 से तथा तपेश्वर पूनिया ने चंडीगढ के तेजस देवासी को 15-12, 15-2 से पराजित किया। लड़कियों के मुकाबलों में जोषिका प्रजापति ने हरियाणा की तनिषा खुराना को 15-12, 15-9 से और देवना जैन ने हरियाणा की चाहक सहगल 15-3, 15-8 से पिकस्त दी।

लड़को के अन्डर-17 मिश्रित युगल के मैचो में राजस्थान के सहज साहरण और याषिका साहरण ने तमिलनाडु के मोनिष राजराम और विवेका विनोद को 15-8, 15-10 से पराजित किया। इसी आयु वर्ग के लड़को के तीसरे दौर के एकल में राजस्थान के जयवर्धन सिंह ने हरियाणा के कार्तिकेय वस्वानी को 15-9, 15-7 से, यश सोनी ने उत्तर प्रदेश के आशुतोष कुमार को 15-4, 15-7 से, सोनू मीणा ने तमिलनाडु के हषवंत को 15-10, 12-15, 15-9 से, दिव्यांश तोमर ने दिल्ली के खुश देषवाल को 15-5, 11-15, 15-6 से, अहान गुप्ता ने हरियाणा के आरूष गुप्ता को 15-7, 15-8 से संयम कोठारी ने दिल्ली के मानिक को 15-10, 15-7 से निधिष ने तेलंगाना के गौरांग गुप्ता को 15-8, 15-11 से, वेदान्त जोषी ने कर्नाटक के अर्नव अनिल कुमार को 15-12, 15-13 से, हर्ष स्वामी ने अथर्व गंभीर को 15-4, 9-15, 15-9 से, रूद्राक्ष कासनिया ने उत्तर प्रदेश के आरव शर्मा को 15-9, 15-10 से, सचिन चौधरी ने तेलंगाना के विजय भ्रमित को 15-11, 15-10 से, सात्विक अग्रवाल ने दिल्ली के त्रिलोचन सिंह को 15-3, 15-6 से, रमनीक सिंह गिल ने तमिलनाडु के साई कार्तिक को 15-12, 15-12 से, लोकेश गुर्जर ने रूद्राक्ष को 15-11, 15-13, 15-7 से पराजित किया। गुरूवार को 316 मुकाबले सुबह 9 बजे से शुरू होंगे।

हॉकी इंडिया का लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स हुआ शुरू

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। हॉकी इंडिया का बुधवार को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में कोचिंग एजुकेशन पाथवे लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स 2024 शुरू हो गया है। इस कार्यक्रम में 96 महत्वाकांक्षी भारतीय कोच अपने कौशल को बढ़ाने के साथ नवीनतम कोचिंग तकनीकों के बारे में जान सकेंगे। उम्मीदवारों को 24 के चार बैचों में विभाजित किया जाएगा।

एक लाख महिलाओं को बनायेंगे लखपति दीदी: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों के लिए बड़ी सौगातों की समीक्षा की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर जनता को दी जाने वाली सौगातों की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में समीक्षा की।

■ **राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर भवन एवं अन्य विनिर्माण से जुड़े 1.5 लाख श्रमिकों को 150 करोड़ की राशि हस्तांतरित की जायेगी। पालनहार योजना के अन्तर्गत 5 लाख बच्चों को 150 करोड़ की राशि हस्तांतरित की जायेगी।**

जयपुर, 6 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ''आपणो अग्रणी राजस्थान'' की दिशा में निरंतर बढ़ते हुए अपनी पहली वर्षगांठ पर प्रदेशवासियों को कई सौगातें देकर उनका सशक्तीकरण करेगी। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा नवाचार एवं कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं, महिलाओं, किसानों एवं मजदूरों सहित विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए दूरगामी कार्य किए जाएंगे।

शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि दिसम्बर माह में, वर्षगांठ के अवसर पर भवन एवं अन्य संनिर्माण से जुड़े 1.5 लाख श्रमिकों को 150 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जाएगी। साथ ही, 2 हजार दिव्यांग जनों को स्कूटी वितरित की जाएगी और प्रत्येक जिले में कैम्प लगाकर 10 हजार निःशक्तजनों को सहायक सामग्री व सहायता उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पालनहार योजना के अंतर्गत, लगभग 5 लाख बच्चों को 150 करोड़ रुपये की राशि भी हस्तांतरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार अपनी पहली वर्षगांठ पर प्रदेश में 1 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाएगी। इससे महिलाओं की उद्यमशीलता बढ़ेगी और वे विकसित राजस्थान के लक्ष्य में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगी।

शर्मा ने कहा कि अन्नदाताओं के समग्र विकास के लिए कृषि क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की दिशा में वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर राजस्व विभाग द्वारा 9000 पटवारियों को टैबलेट वितरित किए जाएंगे।

इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, प्रमुख सचिव राजस्व दिनेश कुमार सहित, संबंधित विभागों के शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव में संविधान को मुद्दा बनाया

नागपुर, 6 नवम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपना नैरेटिव लेकर महाराष्ट्र के मैदान में उतर आए हैं। राहुल लोकसभा चुनाव वाला ही नैरेटिव विधानसभा चुनाव में चलाना चाहते हैं इसीलिए उन्होंने महाराष्ट्र में अपने कैम्पेन की शुरुआत नागपुर से की। वो सबसे पहले दीक्षाभूमि पहुंचे जहां बाबा साहेब अंबेडकर ने बौद्ध धर्म अपनाया था। यहां राहुल गांधी ने अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वो संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे। राहुल गांधी ने कहा कि देश में जाति आधारित जनगणना जरूर होगी और इस प्रक्रिया से दलितों, अन्य पिछड़ा वर्गों और आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय का पता चलेगा।

■ **उन्होंने कहा कि जाति जनगणना से दलितों, ओ.बी.सी. व आदिवासियों के साथ अन्याय का पता चलेगा**

नागपुर में संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ''जाति जनगणना से सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। हर किसी को पता चल जाएगा कि उनके पास कितनी ताकत है और उनकी भूमिका क्या है।'' गांधी ने कहा, ''हम 50 प्रतिशत (आरक्षण सीमा) की दीवार भी तोड़ देंगे।''

नीट-यूजी 2024 परीक्षा दुबारा नहीं होगी

सुप्रीम कोर्ट के तीन न्यायाधीशों की पीठ ने समीक्षा याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2 अगस्त के फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने नए सिरे से नीट-यूजी 2024 परीक्षा की अनुमति देने से इन्कार कर दिया था। शीर्ष अदालत ने मामले पर खुली अदालत में सुनवाई के अनुरोध को भी ठुकरा दिया। यह याचिका काजल कुमारी ने दायर की थी। कोर्ट के आदेश से स्पष्ट हो गया है कि इसकी परीक्षा दोबारा नहीं होगी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाय चंद्रचूड़ और जस्टिस जे बी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि उसके फैसले में कोई त्रुटि नहीं है। रिकॉर्ड को देखते हुए कोई त्रुटि स्पष्ट नहीं है। सुप्रीम कोर्ट रूल्स 2013 के आदेश के तहत समीक्षा के लिए कोई मामला स्थापित नहीं हुआ है। इसलिए, समीक्षा याचिका खारिज की जाती है।

■ **सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कुछ विशेष सेंटरों पर लीकेज की बात सामने आई है, इसके लिए पूरे देश की परीक्षा रद्द करना व्यवहारिक नहीं है।**

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूजी 2004 परीक्षा दोबारा कराने से इन्कार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा था, कुछ विशेष सेंटर पर ही लीकेज की बात सामने आई थी इसलिए पूरे देश की परीक्षा रद्द करना व्यावहारिक नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पेपर लीकेज पूरे देश में नहीं था सिर्फ दो जगहों तक ही सीमित था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर पुनर्विचार की मांग की गई थी। 2 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह नीट-यूजी 2024 को फिर से आयोजित करने का आदेश नहीं दे सकता क्योंकि उसके रिकॉर्ड में कोई पर्याप्त सामग्री नहीं है जो प्रणालीगत लीक या धांधली का संकेत देती हो।

'बिना पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्य न्यायाधीश ने आज कहा कि इस मामले में ध्वस्तीकरण बिना किसी सूचना के किया गया।

उन्होंने कहा, ''यह तो स्पष्ट है कि यह ध्वस्तीकरण निरंकुशतापूर्ण था तथा यह कानून की सत्ता की अवहेलना थी। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह ध्वस्तीकरण केवल इसलिये किया गया, क्योंकि याचिकाकर्ता ने सड़क-निर्माण में हुई अनियमितताओं की रिपोर्ट एक अखबार में प्रकाशनार्थ भेज दी थी। राज्य सरकार की ऐसी कार्यवाही का समर्थन या अनुमोदन नहीं किया जा सकता तथा निजी सम्पत्ति के मामले में तो कानून का पालन होना ही चाहिये।''

राहुल के ''अतिवाद'' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रहे हैं जो कांग्रेस का ठोस वोट-बैंक हैं तथा देश के जन मत-निर्माता (ओपिनियन मेकर्स) भी हैं।

पार्टी नेताओं का दृढ़तापूर्वक कहना है कि राहुल गांधी को एक ऐसा बीच का रास्ता तलाश करने की जरूरत है, ताकि वे अपने राजनैतिक विचारों की विसंगतियों को ठीक कर सकें, जो कांग्रेस पार्टी को नुकसान पहुँचा रही हैं।

लेकिन राहुल न तो एक परिपक्व और पक्के राजनेता है और न ऐसे मँजे हुये कलाकार है, जो मौके के अनुसार, अपने शब्दों का चालाकी से गोलमोल इस्तेमाल करते हुये, कलाकारी से, नाटकीयता से काम ले सकें।

सूत्रों का कहना है कि पार्टी, गरीबों, दलितों तथा पिछड़ों के प्रति उनकी चिन्ताओं को पसन्द तो करती है, उनकी कद्र भी करती है, लेकिन उनकी यह चिन्ता कांग्रेस को चुनाव जीतने में सदैव मदद नहीं कर सकती।

उदाहरणार्थ, हरियाणा में पूरा दलित समाज कांग्रेस को छोड़कर चला गया, जबकि राहुल उनकी खातिर, उनके भले के लिये एक मशाल उठाये हुये थे।

2024 के लोकसभा चुनावों में, संविधान के मुद्दे तथा ओ.बी.सी., दलितों तथा अन्य पिछड़े समुदायों के प्रति सहानुभूति की भावना ने कांग्रेस की मदद की तथा इसके परिणाम स्वरूप, पार्टी 100 सीटों के आँकड़े को स्पर्श कर गई। ये सारी सीटें भाजपा की कीमत पर आई थी, क्योंकि भाजपा बहुमत जुटाने में असफल रही थी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि राहुल को लोगों की कुछ धारणाओं को बदलने के लिये बहुत कुछ करने की तथा अपने बयानों और भाषणों में एक वाक्पटुतापूर्ण संतुलन बनाने की जरूरत है।

मोदी ने ट्रम्प ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री ने ट्रंप का आव्हान करते हुए कहा,'' आइए, मिलकर अपने लोगों की भलाई के लिए और वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम करें।'' उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव की मतगणना में ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी ने करीब करीब बहुमत हासिल कर लिया है। ट्रंप बहुमत के लिए आवश्यक 270 सीटों की तुलना में 267 सीटों पर जीत हासिल कर चुके हैं और कम से कम 10 अन्य सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं।

उदयपुर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार के नीचे से बैठे श्वान को घसीटकर ले जाने लगा। घायल श्वान की आवाज सुनकर आसपास के अन्य श्वान वहां पर पहुंच गए और भौंकने लगे, इस पर तेंदुए को अपनी जान अचाकर मौके से भागना पड़ा और शिकार करने में सफल नहीं हो पाया। यह पूरी घटना चौक के एक मकान में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे में कैद हो गई। तेंदुए ने आबादी क्षेत्र में, जहां यह हमला किया, वहां चारों तरफ घर हैं। हमले के बाद से आसपास के लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है।

बताया जा रहा है कि घटना स्थल से करीब डेढ़ किमी दूर सज्जनगढ़ अभयारण्य है, जहां लैपर्ड का मूवमेंट रहता है। इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग ने बुधवार को दो पिंजरे रखवा दिए हैं, ताकि दुबारा इस इलाके में प्रवेश करने पर तेंदुए को रेस्क्यू किया जा सके।

'झारखंड में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताती है कि तीसरा बिन्दु ''साम्प्रदायिक आधार पर बाँटने वाली सामग्री'' से सम्बन्धित है, जिसमें हिन्दू और मुस्लिमों को आपस में लड़ाने की कोशिश की गई है। इस प्रकार के एक वीडियो में दिखाया गया है कि हरे रंग के कपड़े पहने मुस्लिमों का एक ग्रुप तलवारें लहराते हुये, भगवा कपड़े पहने एक हिन्दू पुरूष का पीछा कर रहे हैं। इस वीडियों के अन्त में यह कैप्शन आता है- ''बँटेंगे तो कटेंगे। संगठित रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे''। चौथे बिन्दु में उन खतरों की बात की गई है, जो इस क्षेत्र में घुसपैठियों के आने से पैदा होने वाले हैं।

यद्यपि झारखंड भाजपा इकाई इन शैडो अकाउन्ट्स द्वारा किये जा रहे खर्च से तीन गुने से ज्यादा खर्च कर रही है तथा इन अकाउन्ट्स से तीन गुने ज्यादा विज्ञापन दे रही है, लेकिन इनका प्रभाव बहुत कम हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है- ''भाजपा की झारखंड इकाई विज्ञापन पर एक रूपया खर्च कर रही है तथा शैडो नैटवर्क भी एक रूपया ही खर्च कर रहा है, लेकिन शैडो नैटवर्क की पोस्टों को पार्टी के विज्ञापन की तुलना में चार गुना से ज्यादा लोग देखते हैं।'' रिपोर्ट आगे कहती है-''एक समान धनराशि में, शेडो पेज ज्यादा सामग्री दे रहे हैं और वह ज्यादा लोगों तक पहुँच रही है। यह चीज राजनैतिक विज्ञापनों एवं प्रचार के मामले में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की रणनीतियों के बारे में गम्भीर प्रश्न उठा रही है।

दिल्ली में यमुना किनारे छठ पूजा की अनुमति नहीं

यमुना का पानी प्रदूषित होने के कारण एक हजार जगह छठ पूजा का इंतजाम किया गया है

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। दिल्ली हाईकोर्ट ने यमुना तटों में छठ पूजा मनाने की परमिशन देने से इन्कार कर दिया है। कोर्ट ने बुधवार को कहा कि नदी का पानी बहुत प्रदूषित है। इसमें पर्व मनाने से लोगों की सेहत बिगड़ सकती है। चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने कहा कि दिल्ली में 1000 जगहों पर छठ मनाने के इंतजाम किए गए हैं, वहां जाकर लोग पर्व मना सकते हैं।

याचिका पूर्वांचल नव निर्माण संस्थान ने दायर की थी। इसमें दिल्ली डिज़ास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के, 29 अक्टूबर 2021 के एक नोटिफिकेशन को चुनौती दी गई थी। इस नोटिफिकेशन में यमुना किनारे उत्सव स्थल बनाने पर बैन लगा दिया गया था।

याचिकाकर्ता ने कहा कि बैन कोविड-19 के दौरान लगाया गया था। मगर कोर्ट ने प्रदूषित नदी का हवाला देते हुए कहा कि छठ पूजा के लिए लोग यमुना के जहरीले पानी में न जाएं, इसलिए यह बैन लगाया गया है।

■ **दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि प्रदूषित नदी के पानी में पर्व मनाने से बड़ी संख्या में लोगों की तबीयत खराब हो सकती है।**

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा है कि यमुना में डुबकी लगाने से लोगों की तबियत खराब हुई है। यहां तक कि उन्हें अस्पताल में भी भर्ती करवाना पड़ गया है। ऐसे में इस याचिका पर किसी भी तरह का आदेश देने से लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

कोर्ट ने यमुना के बढ़ते प्रदूषण पर भी चिंता जताई और कहा- हम नदी में सीवेज छोड़ना जारी नहीं रख सकते। यह इंडस्ट्रियल सीवेज नहीं है, ह्यूमन सीवेज है। नदी के किनारे अवैध कालोनियां बनाई गई हैं। इनका अनट्रीटेड सीवेज नदी में जा रहा है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने कहा कि नदी में मौजूद प्रदूषण को हटाया भी जा सकता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह काम रातोंरात संभव नहीं है।

ट्रम्प की वापसी भारतीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को या तो नया बाजार ढूंढना होगा और फिर अमेरिका के सामान पर जवाबी कर लगाना होगा या फिर समझौता करना पड़ेगा।

श्रीवास्तव ने आगे कहा कि ट्रम्प ने आउटसोर्सिंग पर चिंता जताई थी हालांकि उनकी कुछ बातें चुनाव से जुड़ी हैं पर भारत को उन कदमों के लिए तैयार रहना होगा जो आई.टी. निर्यात को प्रभावित कर सकते हैं। एच-वन बी वीज़ा, जो कि आई. टी. प्रोफेशनल्स के अमेरिका जाने पर रोक लगा सकता है। ट्रम्प की कठोर इमिग्रेशन नीति भारतीय आई.टी. कंपनियों को भारी पड़ सकती है।

दूसरी ओर ट्रम्प लेबर व पर्यावरण स्टैंडर्ड में सुधार कर सकते हैं जिससे भारतीय निर्यात को फायदा होगा। ट्रम्प भारत पर अमेरिका के साथ ज्यादा निकट सम्बंध का दबाव डाल सकते हैं। राजनैतिक लक्ष्य और इलैक्ट्रॉनिक्स एवं दवा के क्षेत्र में सप्लायर के रूप में भारत की भूमिका विस्तार हो सकता है पर इससे भारत की विदेश नीति की फ्लैक्सिबिलिटी सीमित हो जाएगी। इसके अलावा अमेरिकन कंपनियों के लिए भारत एक प्रमुख आर्कषण है खासकर प्रोफेशनल्स सर्विस, निर्माण व आई.टी. क्षेत्र में। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा इन्वैस्टर है अप्रैल 2000 से जून 2024 तक अमेरिका भारत में 66.7 अरब डॉलर का निवेश कर चुका है और भारत से अमेरिका को भारी इन्कम होती है सिर्फ व्यापार से हो नहीं बल्कि गूगल, फेसबुक एवं एमेजॉन के जरिए भी।

घड़ी चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव चिन्ह इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी और कहा था कि अजीत गुट सार्वजनिक रूप से घोषणा करेगा कि घड़ी चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल सिर्फ लोकसभा चुनाव में होगा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इसका इस्तेमाल अदालत में विचाराधीन है।

एन. सी. पी. में विभाजन के बाद चुनाव आयोग ने विधानसभा में संख्या बल के आधार पर अजीत गुट को असली एन. सी. पी. स्टार देकर चुनाव चिन्ह दे दिया था।

शरद पवार गुट को नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी-शरद चंद्र पवार नाम दिया था और ''तुरही बजाता व्यक्ति'' चुनाव चिन्ह दिया था।

'बुद्धिजीवियों का राजनीतिक सोच...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बार हाईलाइट करने से लोग आर्थिक अनिश्चितता की बात पर यकीन करने लगे। आर्थिक समस्याओं को लोगों के दिमाग में जोर-शोर से बिठा दिया गया, जिस पर लोग विश्वास करने लगे।

इससे वो कहावत सत्य साबित होती है कि सबसे बड़े झूठ को भी यदि बार-बार दोहराया जाए तो लोग उसे सच मानने लगेंगे। डॉनल्ड ट्रम्प ने इस आइडिया का पूर्ण रूप से फायदा उठाया है, क्योंकि उन्होंने चुनाव अभियान के दौरान अपने अनेक असत्यों को अनेकों बार दोहराया।

इसी तरह, डॉनल्ड ट्रम्प ने औसत श्वेत अमेरिकी नागरिक के इस डर का लाभ उठाया कि अनियंत्रित इमिग्रेशन (अप्रवासन) आबादी के संतुलन पर दबाव बना रहा है। उदाहरण के लिए, ट्रम्प ने एक प्रचार बैठक में कहा था कि लैटिन अमेरिकन देशों के अप्रवासी लोग उनके (अमरीकियों के) पालतू जानवरों को खा रहे हैं। इसके तुरंत बाद भारी हंगामा शुरू हो गया था तथा पाया गया कि यह आरोप पूर्णतया असत्य था।

■ **कमला हैरिस की, मध्यम वर्ग के आम अमेरिकी का प्रतिनिधि बनने की कोशिश भी आम अमेरिकी को फर्जी लगी तथा डैमोक्रेटिक पार्टी के वफादार मतदाता, अश्वेत व विदेशी मूल के लोगों को निराश किया, और वे भी विमुख हो गये।**

परंतु अमेरिका के दक्षिण से लगातार अप्रवासियों का आना एक सच्चाई थी तथा सीमा से लगे कुछ शहरों में आबादी की संरचना बदल रही थी। जाहिर है कि इमिग्रेशन मुद्दे को लेकर डैमोक्रैटिक पार्टी का अधिक मानवीय दृष्टिकोण आम आदमी को रास नहीं आया। ये मुद्दे इमिग्रेशन या अर्थव्यवस्था या गर्भपात का अधिकार अमेरिकी उदारवादी व्यवस्था के मुख्य सिद्धांतों के विरुद्ध थे, जिनका प्रतिनिधित्व वहाँ का अभिजात्य वर्ग और बुद्धिजीवी करते हैं। अमेरिकी मतदाताओं का यह अमीर व समृद्ध वर्ग उम्मीद कर रहा था कि अमेरिका की राजनीति में कमला हैरिस उनके उदारवादी मूल्यों को आगे बढ़ाऐंगी।

अपने आप को ''मिडिल क्लास'' (मध्यम वर्ग) तथा ''कलर्ड'' के रूप में दर्शाने के कमला हैरिस के प्रयासों ने इन उपरोक्त वर्गों के लोगों को प्रभावित नहीं किया, क्योंकि इस बार अश्वेत मतदाता हैरिस के साथ नहीं थे। इस बार अश्वेत मतदाताओं ने ट्रम्प का साथ दिया।

इसी के साथ, यह स्वीकार करना होगा कि कमला हैरिस ने दबंग डॉनल्ड ट्रम्प के विरुद्ध बहुत बहादुरी का प्रदर्शन किया। वो ट्रम्प, जिन्होंने सत्य और नैतिक मूल्यों में जरा भी विश्वास नहीं दिखाया। हैरिस को लगभग आधे लोकप्रिय वोट मिले, हालांकि, इलैक्टोरल कॉलेज के चरण में ये ट्रम्प के पक्ष में चले गए।

दूसरा, हैरिस के पास एक जबरदस्त प्रतिद्वंदी से लड़ने के लिए समय बहुत कम था। बाइडन चुनाव मैदान से बड़ी देर से बाहर हुए, तब तक वो डैमोक्रैटिक पार्टी के अभियान को काफी नुकसान पहुँचा चुके थे।

इन चुनाव परिणामों से एक और चौंकाने वाला उदाहरण सामने आया है कि बुद्धिजीवियों द्वारा किया गया, वास्तविकता व राजनीति का आकलन आम आदमी के आकलन से मेल नहीं खाता है। इससे यह बात भी लगभग साबित होती है कि ''पॉपुलर वोट'' परिणाम लगभग हमेशा ही बुद्धिजीवियों और अभिजात्य वर्ग के विरोध में जाते हैं। सर्वोच्च स्तर के अमेरिकी मीडिया तथा लगभग समस्त पश्चिमी जगत ने एक समान रूप से ट्रम्प का विरोध तथा हैरिस का समर्थन किया था। लेकिन जनता के मन में कुछ और ही था।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908